www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य के लिये घोंसले बनाकर नहीं देते, वे तो बस उन्हें "उड़ने" की कला सिखाते हैं..

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-46 ❖ मुंबई ❖ रविवार 08 से 14 नवंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पाकिस्तान जाकर लागू करें धारा 370- शिवसेना ने फारूख अब्दुल्ला को फटकारा

मुंबई/श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की बहाली पर बयान देने के बाद नैशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला शिवसेना के निशाने पर हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत ने अब्दुल्ला पर तंज कसते हुए कहा कि अगर वह चाहते हैं तो पाकिस्तान जाकर आर्टिकल 370 लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में यह मुमकिन नहीं है।

संजय राउत ने फारूक अब्दुल्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'अगर फारूक अब्दुल्ला चाहें तो पाकिस्तान जा सकते हैं और वहां आर्टिकल 370 लागू कर सकते हैं। भारत में अब आर्टिकल 370 और 35A की कोई जगह नहीं है।' पहले भी नाराजगी जता चुके हैं संजय राउत

इससे पहले भी राउत अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के बयानों पर नाराजगी जता चुके हैं। संजय राउत ने कहा था कि चाहे फारूक अब्दुल्ला हों या महबूबा मुफ्ती, अगर कोई भारत के संविधान को चुनौती देने के लिए चीन की मदद लेने की बात करता है, तो उन्हें 10 साल के लिए जेल भेजा जाना चाहिए। बता दें कि शुक्रवार को नैशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि वह जम्मू-कश्मीर का पुराना दर्जा बहाल होने तक नहीं मरेंगे।

'पाकिस्तान जाना होता तो 1947 में ही चले जाते' अब्दुल्ला ने अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत के दौरान कहा था, 'जो लोग पाकिस्तान जाने का मशविरा दे रहे हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि अगर हमें पाक चले जाना होता तो हम 1947 में ही चले जाते।' फारूक ने कहा था, 'यह हमारा भारत हैं, लेकिन हमारा हिंदुस्तान गांधी का हिंदुस्तान है बीजेपी का नहीं। अपने लोगों के अधिकार वापस लेने तक मैं नहीं मरूंगा। हिरासत से बाहर आने के बाद दिए विवादित बयान

हिरासत से बाहर आने के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती विवादित बयान दे रहे हैं। महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि कश्मीर का झंडा फिर से फहरने तक वह तिरंगा नहीं फहराएंगी। वहीं फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि कश्मीर के लोग चाहते हैं कि चीन की मदद से यहां आर्टिकल 370 की बहाली हो।

गुप्कार गठबंधन के अध्यक्ष हैं फारूक अब्दुल्ला

पिछले साल जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के फैसले के एक दिन पहले गुप्कार गठबंधन के सभी हस्ताक्षरकर्ताओं ने राज्य की पहचान, स्वायत्तता और विशेष दर्जा बरकरार रखने की प्रतिज्ञा ली थी। हिरासत से बाहर आने के बाद गुप्कार गठबंधन का ऐलान हुआ। फारूक अब्दुल्ला इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए जबकि महबूबा उपाध्यक्ष।

परीक्षा में न शामिल होने वाले छात्रों के लिए दीपावली बाद लिया जाएगा फाइनल ईयर का एग्जाम

मुंबई। प्रदेश में कोरोना संकट और प्राकृतिक आपदा के कारण अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में नहीं बैठ पाने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाएं अब दीपावली के बाद 15 दिनों में ली जाएंगी। इसके साथ ही अंतिम वर्ष की परीक्षा में जो विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं उन विद्यार्थियों की परीक्षा एक महीने के भीतर होंगी। शुक्रवार को प्रदेश के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने यह जानकारी दी। मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं। सामंत ने कहा कि कोरोनाकाल में परीक्षाएं देने वाले विद्यार्थियों को नियमित मार्कशीट दी जाएगी। nसामंत ने कहा कि मुंबई, पुणे, नागपुर और सोलापुर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के आयोजन को लेकर पैदा हुई तकनीकी समस्याओं की जांच के लिए समिति गठित की गई है। ऑनलाइन परीक्षा में तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार कंपनियों को काली सूची में शामिल किया जाएगा। शिक्षामंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ऑनलाइन ली गई। किसी जगह पर अपवादात्मक परिस्थिति के कारण ऑफलाइन परीक्षाएं हुई। अंतिम वर्ष की परीक्षा देने वाला कोई विद्यार्थी कोरोना संक्रमित नहीं पाया गया है।

भायंदर रेलवे स्टेशन के बाहर सौंदर्य पर हुए रु. 10 करोड़ स्वाहा!

मीरा-भायंदर महानगरपालिका में सत्ताधारी भाजपा अपने अजब-गजब कारनामों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती है। वर्तमान में सौंदर्य के नाम पर उसने करीब १० करोड़ रुपए स्वाहा करने की ठान ली है। ये १० करोड़ रुपए खर्च कर भायंदर रेलवे स्टेशन के पश्चिम व पूर्व में सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस पर कमीशन की बंदरबांट के लिए करदाताओं के पैसों की बर्बादी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। एक तरफ एमबीएमसी पर करीब ४०० करोड़ रुपए का कर्ज है, दूसरी तरफ कोरोना का संक्रमण काल होने के कारण मनपा आर्थिक संकट से जूझ रही है। इसके बावजूद अनावश्यक रूप से सौंदर्यीकरण पर १० करोड़ रुपए स्वाहा किए जाने पर विरोध के स्वर उठने लगे हैं।

बता दें कि भायंदर रेलवे स्टेशन के पास पश्चिम व पूर्व की सड़क संकरी है, जिससे यहां हमेशा ट्रैफिक जाम व भीड़-भाड़ की स्थिति बनी रहती है। वर्ष २०१७ में भायंदर (प.) में रेलवे स्टेशन के पास अतिक्रमण को हटाकर सड़क विस्तारीकरण किया गया था। अब उसी खाली कराए जगह पर सौंदर्यीकरण के नाम पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे भविष्य में रेल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि स्टेशन के बाहर ही रिक्शा स्टैंड, व एसटी, बीईएसटी तथा एमबीएमटी का बस पड़ाव बना हुआ है। यही नहीं, इससे सटा भायंदर पश्चिम व पूर्व को जोड़नेवाला भूमिगत मार्ग भी है, जिससे खुले जगह के अभाव में यहां ट्रैफिक जाम की भारी समस्या उत्पन्न होने की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। भायंदर पश्चिम में रेलवे स्टेशन के बाहर सौंदर्यीकरण के लिए करीब ८ करोड़ २२ लाख रुपए और पूर्व में करीब डेढ़ करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस कार्य को पूर्ण करने की मुद्दत १२ मार्च, २०२० को ही समाप्त हो चुकी है।

२९ जून, २०१७ को तत्कालीन मनपा आयुक्त नरेश गीते ने राज्य सरकार के नगरविकास विभाग के सचिव को पत्र लिखकर बेसिक अमेनिटीज डेवलपमेंट फंड की मांग की थी। इसके तहत सौंदर्यीकरण के लिए २ करोड़ रुपए खर्च का बजट बताया गया था। इसके बाद बिना नगर विकास विभाग की अनुमति के इसका बजट करीब ८ करोड़ रुपए कर दिया गया, जिस पर मनपा के लेखा परीक्षक ने आपत्ति भी की थी।

करदाताओं के पैसों की टेंडर-कमीशन के लिए की जा रही बर्बादी है। मनपा पहले से ही आर्थिक संकट व कर्जे के बोझ में दबी हुई है। इस नियमबाह्य व अनावश्यक कार्य को शीघ्र रद्द करने, इस पर हुए अब तक के खर्च को संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से वसूल करने की मांग शिवसेना विधायक गीता जैन, जिद्दी मराठा के प्रदीप जंगम, सत्यकाम फाउंडेशन के कृष्णा गुप्ता आदि ने की है।

उर्मिला मातोंडकर और एकनाथ खडसे की आसान नहीं होगी विधान परिषद में एंट्री

मुंबई, ठाकरे सरकार के कैबिनेट मंत्रियों ने शुक्रवार को विधान परिषद में राज्यपाल कोटे के 12 सदस्यों की एक लिस्ट बंद लिफाफे में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सौंप दी है। अब गेंद राज्यपाल के पाले में चली गई है। देखना दिलचस्प होगा कि राज्यपाल क्या निर्णय लेते हैं। लेकिन जैसे कि हालात हैं उर्मिला मातोंडकर और एकनाथ खडसे के लिए विधान परिषद की राह आसान नहीं लगती।

वैसे जिनके नामों की सिफारिश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल से की है, उसमें ज्यादातर लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय माने जा रहे हैं। लेकिन इन नामों को लेकर विरोध शुरू हो गया है। कुछ लोगों ने तो कोर्ट जाने तक की तैयारी कर ली है।

फिलहाल, राज्यपाल के निर्णय का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।संविधान के अनुसार राज्यपाल साहित्य, कला, समाज सेवा व सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 12 लोगों को विधान परिषद के लिए मनोनीत करते हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हस्ताक्षर वाले बंद लिफाफे को परिवहन मंत्री व शिवसेना नेता अनिल परब, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व राकांपा नेता नवाब मलिक व मेडिकल शिक्षा मंत्री व कांग्रेस नेता अमित देशमुख ने राजभवन जाकर राज्यपाल को सौंपा।पत्र सौंपने के बाद शिवसेना नेता परब ने बताया कि सभी कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखकर यह लिस्ट तैयार की गई है। इसके लिए राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर वाला पत्र हमने बंद लिफाफे में राज्यपाल को सौंप दिया है। शिवसेना नेता अनिल परब ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से विनती की हैं कि वे इसे मंजूर करें और हमें विश्वास है कि राज्यपाल जल्द ही इसे मंजूरी देंगे।

नवंबर के अंत तक खत्म होगा लॉकडाउन! मंत्री वडेट्टीवार ने कहा- सबकुछ होगा पहले जैसा

मुंबई, महाराष्ट्र के मदद एवं पुनर्वसन मंत्री विजय वडेट्टीवार ने कहा है कि नवंबर के अंत तक महाराष्ट्र लॉकडाउन से आजाद हो जाएगा और पहले जैसा कामकाज शुरू हो जाएगा। लोकल ट्रेन शुरू करने के बारे में उन्होंने कहा, 'मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन का आम जनता के लिए फिर से शुरू करने के बाबत सरकार जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेगी।'

मंत्री वडेट्टीवार ने आगे कहा, 'राज्य में होटल, उद्योग, बीयर-बार, व्यापार और परिवहन पहले ही खुल गए थे। गुरुवार से थियेटर, नाट्यगृह, स्वीमिंग पूल, इनडोर गेम भी दिशानिर्देशों के साथ शुरू कर दिए गए।

अब अलग-अलग चरणों में और धीरे-धीरे सब खोल दिया जाएगा। मुझे पूरा भरोसा है कि इस महीने के अंतिम सप्ताह तक राज्य को पूरी तरह अनलॉक कर दिया जाएगा। उसके बाद दिसंबर में यहां जन-जीवन सामान्य हो जाएगा।'

वडेट्टीवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मुंबई की लाइफ को पहले जैसा करने के लिए लोकल ट्रेन का चलाना जरूरी है। इसके लिए राज्य सरकार ने रेल मंत्रालय को पत्र लिखा है। रेल विभाग ने हमारे पत्र में कुछ कमियां निकालते हुए लोकल ट्रेन शुरू नहीं की है।' उन्होंने कहा कि अगर लोकल ट्रेन शुरू करने का क्रेडिट रेलवे लेना चाहती है, तो बेशक ले, लेकिन आम जनता के लिए कम से कम लोकल शुरू तो करें।' उधर, महाराष्ट्र की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मई से पहले 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा आयोजित नहीं कर पाएगा। इसके लिए भी सिलेबस में कम से 25 प्रतिशत की कटौती करनी होगी। इस बारे में हम विचार कर रहे हैं।'

टीआरपी घोटाला- मुंबई पुलिस के खिलाफ आरोपों पर कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से मांगा जवाब

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (टीआरपी) घोटाले में शिकायतकर्ता हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दायर एक याचिका पर शनिवार को महाराष्ट्र सरकार, मुंबई पुलिस के आयुक्त परमबीर सिंह तथा दो अन्य पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा। याचिका में पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। कंपनी और उसके तीन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि नगर की पुलिस अवैध और अत्यंत आपत्तिजनक तरीके से जांच कर रही है।

याचिका में दावा किया गया है कि कंपनी के अधिकारियों को परेशान किया जा रहा है और उन पर गलत बयान देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। याचिका में सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे और सहायक पुलिस आयुक्त शशांक संदभोर का नाम लिया गया है, जो उन्हें परेशान कर रहे थे। शनिवार को परमबीर सिंह, दो पुलिस अधिकारियों और सरकार की ओर से पेश वकील देवदत्त कामत ने लगाए गए आरोपों का खंडन किया और कहा कि याचिकाकर्ताओं को आवश्यक होने पर ही पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। उन्होंने अदालत से कहा कि मामले में जांच अभी चल रही है और याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कुछ सामग्री सामने आई है।

'बिना कारण थाने में नहीं बुलाना चाहिए'

पीठ ने हालांकि कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता मामले में शिकायतकर्ता हैं, इसलिए उन्हें बिना किसी कारण के थाने नहीं बुलाया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, 'वे शिकायतकर्ता हैं और मामले में आरोपी नहीं हैं। हम जांच रोकने के लिए नहीं कह रहे हैं। लेकिन उन्हें जरूरी होने पर ही उचित समय पर बुलाएं।' कामत ने सहमति जताते हुए अदालत से कहा कि याचिकाकर्ताओं को उचित समय पर सप्ताह में दो बार पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। याचिकाकर्ता के वकील सी एस वैद्यनाथन ने दलील दी कि पुलिस कुछ समाचार चैनलों को फंसाने के लिए याचिकाकर्ताओं पर दबाव बना रही है।

बिहार में वोट

दिलचस्प बात यह कि चुनाव प्रचार जैसे-जैसे जोर पकड़ता गया, एनडीए की समस्याएं उजागर होने लगीं और महागठबंधन की कमजोरियां दूर होती चली गईं। लेफ्ट ने जहां इस गठबंधन को विचारधारा और काडर की शक्ति प्रदान की, वहीं कांग्रेस की मौजूदगी ने सवर्ण वोटरों की आरजेडी से पारंपरिक नाराजगी को न्यूट्रल करने में भूमिका निभाई।

बिहार में मतदाता आखिरी दौर की वोटिंग कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक के हालात पर विचार किया जाए तो विभिन्न दलों की स्थिति में काफी उलटफेर नजर आता है। चुनाव प्रचार का दौर शुरू होने से पहले एनडीए की स्थिति हर तरह से मजबूत दिख रही थी। किसी तरह का असमंजस नहीं था। बीजेपी ने घोषित कर दिया था कि एनडीए के मुख्यमंत्री प्रत्याशी नीतीश कुमार ही होंगे। इसके बरक्स महागठबंधन में सब कुछ अव्यवस्थित और अनिश्चित नजर आ रहा था। लालू प्रसाद की कमी सबको खल रही थी। रघुवंश प्रसाद सिंह जैसे वरिष्ठ नेता की नाराजगी अखबारों की सुर्खियां बन रही थी। गठबंधन के घटक दल तेजस्वी को नेता मानने को तैयार नहीं थे। न केवल उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी की पार्टियों ने खुद को महागठबंधन से अलग कर लिया बल्कि गठबंधन की घोषणा के लिए आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में असंतोष जताते हुए वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी भी उठकर बीजेपी के साथ चले गए।

दिलचस्प बात यह कि चुनाव प्रचार जैसे-जैसे जोर पकड़ता गया, एनडीए की समस्याएं उजागर होने लगीं और महागठबंधन की कमजोरियां दूर होती चली गईं। लेफ्ट ने जहां इस गठबंधन को विचारधारा और काडर की शक्ति प्रदान की, वहीं कांग्रेस की मौजूदगी ने सवर्ण वोटरों की आरजेडी से पारंपरिक नाराजगी को न्यूट्रल करने में भूमिका निभाई। सबसे बड़ी बात यह रही कि गठबंधन के नेता के रूप में तेजस्वी ने अपना ध्यान इधर-उधर नहीं भटकने दिया। राजनीतिक विमर्श को जंगल राज, हिंदू-मुस्लिम और पाकिस्तान जैसे मसलों की तरफ ले जाने की कोशिशें हुईं, पर वे इस जाल में फंसे बगैर अपने अजेंडे पर टिके रहे। दस लाख सरकारी नौकरियां देने का उनका वादा पूरे प्रदेश में सभी तबकों के युवाओं के लिए बड़ा आकर्षण बनकर उभरा।

स्थिति यह हो गई कि एनडीए के सीएम प्रत्याशी नीतीश कुमार द्वारा सार्वजनिक रूप से बार-बार इसे अव्यावहारिक बताए जाने के बावजूद बीजेपी ने अपनी तरफ से 19 लाख रोजगार देने का वादा पेश कर दिया। चिराग पासवान अब तक एनडीए खेमे में थोड़ा-बहुत कन्फ्यूजन पैदा कर रहे थे, लेकिन दो प्रमुख पार्टियों – बीजेपी और जेडीयू- के बीच यह पहली ऐसी दरार थी जो गठबंधन के औचित्य पर ही सवाल खड़ा कर रही थी।

आखिरी दौर में बीजेपी की ओर से योगी आदित्यनाथ ने सत्ता में आने पर घुसपैठियों को बाहर निकालने की बात कही तो नीतीश ने कह दिया कि किसी में दम नहीं जो ऐसा कर सके। इसके बाद भी अगर कुछ कसर रह गई थी तो नीतीश ने आखिरी दिन यह कहकर पूरी कर दी कि यह उनका अंतिम चुनाव है। तेजस्वी ने तत्काल इसको अपनी इस दलील की पुष्टि के रूप में पेश कर दिया कि नीतीश थक चुके हैं। बहरहाल, चुनाव प्रचार चाहे जैसा भी हो, है आखिर प्रचार ही। फैसला तो इस बात से होना है कि मतदाताओं ने इन बातों का क्या मतलब समझा और बटन दबाने से पहले किस नतीजे पर पहुंचे।

अमेरिकी वोटर का मन

संजय शर्मा

मेरिका में भय और आशंका का जैसा माहौल देखा जा रहा है, वैसा हालिया इतिहास के किसी चुनाव में नहीं देखा गया। न सिर्फ वाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाई गई है, बल्कि तमाम बड़ी दुकानों के बाहर भी इस तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं कि दंगाई उन्हें आसानी से निशाना न बना सकें। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट पड़ने के दूसरे दिन भी मतों की गिनती का काम चल ही रहा है।

यह कोई सामान्य स्थिति नहीं है, क्योंकि नतीजे आम तौर पर वोटिंग की रात में ही आ जाते हैं। कांटे की इस टक्कर में अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि ऊंट आखिर किस करवट बैठेगा, मगर इन चुनावों को ऐतिहासिक बनाने वाले कारक और भी हैं। राष्ट्रपति ट्रंप चुनाव से पहले ही कह चुके थे कि अगर नतीजे उनके खिलाफ आए तो जरूरी नहीं कि वे उन्हें चुपचाप स्वीकार कर ही लेंगे। मतगणना के दौरान भी उन्होंने धांधली के आरोप लगाते हुए कोर्ट जाने की धमकी दी है। अमेरिका में भय और आशंका का जैसा माहौल देखा जा रहा है, वैसा हालिया इतिहास के किसी चुनाव में नहीं देखा गया। न सिर्फ वाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाई गई है, बल्कि तमाम बड़ी दुकानों के बाहर भी इस तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं कि दंगाई उन्हें आसानी से निशाना न बना सकें। लोगों को डर है कि कहीं ट्रंप समर्थक राइफलें लेकर सड़कों पर न निकल आएं।

बहरहाल, यह सब अमेरिका के लिए भले नया हो, कई अन्य लोकतंत्रों में ऐसी स्थितियां देखी जाती रही हैं। अभी तक के नतीजों पर गौर करें तो ट्रंप का चुनाव अभियान बहुत मजबूती से संचालित हुआ जान पड़ता है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोसफ बाइडन बहुत आगे दिखाए जा रहे थे और उनकी बढ़त का फासला दस फीसदी तक दिखाया जा रहा था। लेकिन जिस तरह की टक्कर दोनों प्रत्याशियों में दिख रही है, उससे लगता है कि अमेरिकी मतदाताओं के बीच ट्रंप की पकड़ कमजोर नहीं हुई है। उनका काम करने का अंदाज, उनके फैसले और बयान अमेरिका के बाहर उनकी छवि चाहे जैसी भी बनाते हों, अमेरिकी समाज का बड़ा हिस्सा इसे सहज रूप में लेता है। इसका मतलब यह भी है कि अमेरिकी समाज की जैसी छवि हमने अपने मन में बना रखी है, वह हकीकत से काफी दूर है।

अमेरिका को हम जिन आधुनिक मूल्यों से जोड़कर देखते रहे हैं, उनकी धज्जियां उड़ाते हुए ट्रंप अमेरिकी समाज के एक बड़े हिस्से में मान्य बने रहते हैं तो यह बताता है कि हमें अमेरिकी समाज को देखने-समझने का तरीका बदलना होगा। एक गुत्थी यह भी है कि 'ब्लैक लाइव्स मैटर' जैसे सघन आंदोलन के बीच हुए इन चुनावों में ट्रंप को मिले अश्वेत वोट पिछले चुनावों की तुलना में दो फीसदी बढ़ गए हैं। उनके लिए सकारात्मक साबित हुए चुनावी कारकों में एक उनकी यह उपलब्धि भी है कि अमेरिका में बेरोजगारी का स्तर उन्होंने ऐतिहासिक रूप से नीचे ला दिया। दूसरे छोर से देखें तो डेमोक्रेटिक प्रत्याशी जोसफ बाइडेन के व्यक्तित्व में अलग से कोई चमकीली बात भले न चिह्नित की जा सके, पर मुद्दों की ताकत शुरू से उनके साथ रही है। कुल वोटों की गिनती में वे ट्रंप से आगे हैं और राष्ट्रपति पद पर उनका दावा भी ज्यादा मजबूत माना जा रहा है। देखें, यह चमत्कारिक चुनाव आगे क्या रंग दिखाता है।

अमेरिका न बदले, दुनिया बदल चुकी है

जिगर डी वाढेर

जो दुनिया हम हाल तक देखते रहे हैं, उस पर सबसे गहरी छाप सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव की रही है। उनके बाद इसे सबसे ज्यादा बदलने का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को जाता है। बिल्कुल संभव है कि जैसे ज्यादातर लोग आज गोर्बाचेव का नाम भूल गए हैं, उसी तरह जल्द ही ट्रंप का नाम भी इतिहास के किसी कोने में दफन हो जाए। लेकिन बहुलतावादी राजनय और दुनिया को एक इकाई मानने पर टिकी विश्व राजनीति के प्रारंभ और अंत की पहचान करने के लिए कुछ सबसे ताकतवर नाम चुनने की बारी आएगी तो लोगों को ये दो नाम सबसे पहले याद आएंगे। इसका यह अर्थ कतई नहीं कि गोर्बाचेव ने तत्व चिंतन करके अकेले दम पर बहुलतावाद की नींव रख दी और तनहा ट्रंप ने उसी तरह संकल्प लेकर इसे समाप्त कर दिया। डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट ने बदल दिया ढर्रा सचाई यह है कि सूचना प्रौद्योगिकी का उदय दुनिया को एक इकाई बनने की ओर ले जा रहा था, जिसका दबाव सोवियत संघ की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था में सबसे पहले महसूस किया गया। उसी तरह तेजी से संकेंद्रित होने वाली ग्लोबल पूंजी आज दुनिया के हर देश में रोजी-रोटी का संकट खड़ा कर रही है, जिसकी पहली प्रतिक्रिया राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं की बाड़ेबंदी के रूप में देखने को मिल रही है। ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे ने विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) समेत दुनिया के तमाम व्यापारिक समझौतों को तहस-नहस कर दिया, लेकिन अभी दुनिया में कौन सा देश ऐसा है, जहां इसकी अनुगूंज अन्य रूपों में नहीं सुनाई पड़ रही? संक्षेप में कहें तो बहुलतावाद को खारिज करने, व्यापारिक समझौतों की जगह फौजी समझौतों को तरजीह देने की प्रवृत्ति अभी विश्वव्यापी है और यह लंबे समय तक रहने वाली है। ट्रंप का आक्रामक बड़बोलापन सिर्फ इसका प्रतीक है। .

1990 के दशक में तीन बातों ने बहुलतावाद की बुनियाद तैयार की थी। एक, दिसंबर 1991 में सोवियत संघ का खात्मा, जिसके चलते दुनिया को दो-तीन गुटों में बांटकर देखने का किस्सा हमेशा के लिए खत्म हो गया। ध्यान रहे, पूंजीवादी, समाजवादी और गुटनिरपेक्ष समूहों का मामला भले ही द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद शुरू हुआ हो लेकिन मित्र राष्ट्र और धुरी राष्ट्र, और उससे भी पहले सेंट्रल पावर्स और आंतांत पावर्स के रूप में यह सिलसिला पूरी बीसवीं सदी की पहचान बना हुआ था। ज्ञान-विज्ञान और तमाम सूचनाएं पूरी दुनिया के लिए एक समान हैं, यह बात तब टकसाल से निकली हुई जान पड़ती थी। उससे पहले हर चीज को लेकर परस्पर विरोधी बातें सुनने को मिलती थीं और हकीकत का अंदाजा अनुमान से लगाना पड़ता था। बहुलतावाद की दूसरी बड़ी पहल थी जून 1992 में संयुक्त राष्ट्र की पहल पर आयोजित पृथ्वी सम्मेलन, जहां से दुनिया को एक इकाई के रूप में देखने की सकारात्मक दृष्टि बननी शुरू हुई। 1 जनवरी 1995 को विश्व व्यापार संगठन की स्थापना दुनिया बदलने वाली तीसरी बात थी। यह भी दिलचस्प है कि दुनिया को एक करने वाली इन तीनों पहलकदमियों में अमेरिका की अहम भूमिका रही, पर इनके प्रति अरुचि दिखाने और इन्हें खारिज करने में भी सबसे आगे अमेरिका ही रहा। शीतयुद्ध के खात्मे से जुड़े तमाम समझौतों के वक्त रॉनल्ड रीगन और मिखाइल गोर्बाचेव ने दावा किया था कि दुनिया को दो गुटों की गुटबाजी से मुक्त करके वे एक न्यायसंगत विश्व की आधारशिला रख रहे हैं। लेकिन सोवियत संघ के खात्मे से पहले ही इराक पर दिन-रात हमलों का लाइव प्रसारण करके अमेरिका ने इस हकीकत पर मोहर मार दी कि आने वाली दुनिया द्विध्रुवीय से बहुध्रुवीय नहीं बल्कि एकध्रुवीय होने जा रही है।

हाल तक इसपर सर्वसम्मति बनी जान पड़ती थी लेकिन बराक ओबामा के कार्यकाल में, बल्कि उनकी देखरेख में सीरिया-इराक में इस्लामिक स्टेट के उदय और फिर उसके खिलाफ रूस की निर्णायक सैन्य कार्रवाई ने अमेरिकी एकध्रुवीयता को तोड़ डाला। ट्रंप के दौर में दिखी अमेरिकी आक्रामकता ने तो बाकायदा रूस-चीन धुरी जैसा माहौल बना दिया है। पृथ्वी सम्मेलन से बनी पर्यावरण चेतना के तहत दुनिया में जलवायु परिवर्तन को रोकने की रणनीति बनाने के लिए कई सम्मेलन हुए, जिनकी प्रस्थापनाओं से सिद्धांत रूप में सहमत होने के बावजूद उनसे जुड़े समझौतों पर दस्तखत करने से अमेरिका बचता रहा। अंततः इन्हें काफी हल्का बनाकर बराक ओबामा ने अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते का हिस्सा बनाया, लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ने इसे एकतरफा तौर पर तोड़ दिया और अमेरिका को इससे बाहर लेते गए। अपने यहां पेट्रो पदार्थों और अन्य हाइड्रोकार्बन्स के उपयोग में कटौती करना तो दूर, शेल आयल के उत्पादन में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ा देने का काम अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में किया है। राष्ट्रपति कोई भी आए, लाखों अमेरिकियों को काम देने और अमेरिका को कच्चे तेल के इंपोर्टर से एक्सपोर्टर बना देने वाले इस धंधे पर ताला मारते ही खुद उसके दफ्तर पर ताला पड़ने की नौबत आ जाएगी।

सबसे दिलचस्प मामला रहा डब्लूटीओ का, जिसके दम पर अमेरिका ने खरबों डॉलर कमाए और उसकी कंपनियों की शाखाएं दुनिया के सबसे पिछड़े कोनों में भी दिखने लगीं। 2008-09 की मंदी आने तक अमेरिकी राजनेताओं को डब्लूटीओ और इसके ढांचे के तहत किए गए नॉर्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (नाफ्टा) और ट्रांस पैसिफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) जैसे व्यापारिक समझौतों में फायदे ही फायदे दिखते थे। लेकिन उसके अपने कमर्शल बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं की लापरवाही ने जैसे ही उसका वित्तीय ढांचा डुबोया और उसके असर में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डूबते-डूबते बची, अमेरिकियों को लगने लगा कि सारे व्यापारिक समझौते उनके हितों के खिलाफ हैं। सचाई यह है कि सस्ते श्रम वाले देशों में अपनी पूंजी लगाकर वहां से चीजें मंगाने और बिना कुछ बनाए मुनाफा बटोरते जाने का फैसला अमेरिका का ही था। लेकिन मंदी से निपटने के नाम पर अरबों डॉलर झोंक देने के बाद अमेरिकी शासकों को लगा कि आम अमेरिकियों को देने के लिए उनके पास कोई काम ही नहीं है।

बहरहाल, पासा फेंका जा चुका है। अमेरिका की स्थिति अब पहले जैसी निर्णायक नहीं रह गई है। अभी उसके पास न कोई ऐसी टेक्नॉलजी है, न पूंजी का एकाधिकार, न ऐसी सैनिक शक्ति, जिसके बल पर दुनिया को अपनी मर्जी से चला सके। अपनी श्रेष्ठता सुनिश्चित करने का अकेला रास्ता उसके सामने यही बचा है कि वह बहुलतावाद के पक्ष में दोबारा जोर लगाए और वैश्विक मंचों पर एक मजबूत आवाज के रूप में चीजों को सकारात्मक दिशा दे। इसके बजाय उसने ढर्रे पर ही चलना जारी रखा तो महामारी के बाद की दुनिया और खतरनाक नजर आएगी।

बिहारः बिना बाढ़ प्रबंधन काहे का सुशासन, काहे का चुनाव

भूपेन्द्र पटेल

बिहार विधान चुनाव 2020 अपने अंतिम दौर में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन पंद्रह साल के सुशासन के आधार पर जनता से समर्थन मांग रही है तो विपक्षी महागठबंधन पढ़ाई कमाई और दवाई के मुद्दे पर मौजूदा सरकार को घेरते हुए बदलाव व नए नेतृत्व के सवाल पर प्रखर बिहारी मतदाता से समर्थन की गुहार कर रही है। इसी बीच चिराग पासवान के युवा कंधों पर आई लोजपा बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के नारे के साथ जनता को अपनी तरफ रिझाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में होने जा रहे बिहार चुनाव पर देश दुनिया के राजनीतिक विश्लेषकों व विद्वानों की पैनी नज़र लगातार बनी हुई है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से मैं बिहार के चुनावी राजनीति व पब्लिक पॉलिसी यानी लोकनीति को बहुत बारिकी से पढ़ने-जाँचने-परखने की कोशिश कर रहा हूँ। इसी सिलसिले में, सीमांचल के कटिहार जिला स्थित प्राणपुर विधानसभा सीट में बसे गाँव बेलंदा, बेलवाड़ी पहुँचा। वहाँ मेन चौक पर मेरी मुलाकात 25 वर्षीय युवा माखन कुमार राय से होती है। पेशे से नियोजित शिक्षक माखन, समाजशास्त्र से एमए हैं एवं दलित परिवार से आते हैं।

जब चुनावी तापमान व स्थानीय मुद्दे पर मैंने उससे कुछ जानना चाहा तो वह मायूस स्वर में बोले– 'बिना बाढ़ प्रबंधन काहे का सुशासन, काहे का चुनाव। ये सब किताबी मुहावरा है। ज़मीन की तस्वीर बहुत अलग है। यहाँ नदी कटाव की समस्या इतनी विकट है कि गाँव का गाँव पानी में समाता जा रहा है। आज जहाँ मैं खड़ा हूँ, अगली बार आप आयेंगे तो वह जमीन पानी में विलिन हो जाएगा। कटाव से बेघर परिवार विस्थापन का दंश झेलता रहता है। क्या सरकार की सुशासन की नीति में इसका कोई समाधान है। आखिर किसी भी राजनीतिक दल ने अपने घोषणा पत्र में इसको स्थान दिया है। क्या नेता लोग अपनी रैलियों में इस पर एक कोना भी बात कर रहे हैं। फिर भला हम किस आस से वोट देने जाएँ।'

लोगों के लिए बाढ़ प्रबंधन एक बड़ा मुद्दा

स्थानीय स्तर पर सरकारी कामकाज में पसरे भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करते हुए माखन कहते हैं- नीतीश सरकार में सरकारी कामकाज में अफसरशाही और भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा बढ़ा है। 2017 में आई बाढ़ के बाद सरकारी मद में सभी बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत व पुनर्वास की राशि के रूप में छह हजार रुपये मिलने थे। स्थानीय मुखिया और सरपंच ने कहा कि छह हजार की राशि उसे ही मिलेगी जिसका नाम लाभुक की सूची में चढ़ेगा। और वह तभी चढ़ेगा जब तुमलोग पीसी (परसेंटेज) हमें दोगे। गाँव की ऐसी तस्वीर है साहब फिर किस उत्साह से हम वोट देंगे यह बताइये।

दिलचस्प है कि महानंदा बेसिन स्थित सीमांचल के इलाके में कटिहार, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज विधान सभा की 27 सीटे बाढ़ प्रभावित हैं। हर वर्ष यहाँ बाढ़ की त्रासदी आती है लाखों लोगों की आजिविका, घर-द्वार, खेत-खलिहान बाढ़ के भेंट चढ़ जाता है। इस वर्ष भी जुलाई-अगस्त के महीने में यह इलाका भीषण बाढ़ से प्रभावित रहा है। परंतु उत्तर बिहार सहित यहाँ भी बाढ़ प्रबंधन व बाढ़ नीति चुनावी चर्चा में शामिल नहीं है।

मौजदा राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों व चुनावी भाषणों को भी देखें तो एनडीए घोषणा पत्र में महिला सशक्तिकरण का मुद्दा है, युवाओं को क्रेडिट कार्ड, बिहार को आईटी हब बनाने की चाह है, गाँव और शहर दोनों का समग्र विकास के साथ ही साथ बेहतर स्वास्थ्य और उत्तम कनेक्टिविटी के वादे भी किये गये हैं परंतु बाढ़ की समस्या को नेपथ्य में रखा गया है।

बिहार में हर साल बाढ़ का प्रकोप झेलते हैं किसान

आखिर क्या कारण है कि मौजूदा विधान विधान सभा चुनाव 2020 में बाढ़ प्रमुख मुद्दा नहीं है- प्रमुख राजनीतिक दल एक खास प्रकार के शक्ति संरचना में कार्य करती है, पार्टियों एक अलग प्रकार की राजनीति से प्रेरित होकर नीतियों से जुड़े एजेंडा सेटिंग करती है, उसमें जानबूझकर कर जो वास्तविक इशू है, उसे सार्वजनिक क्षेत्र (पब्लिक स्फेयर) में विमर्श में शामिल नहीं होने दिया जाता है।

यहाँ यह पक्ष भी महत्वपूर्ण है कि जब विकास के सारे मुद्दे मसलन रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य पर घोषणा पत्र अथवा चुनावी रैलियों में उल्लेख किया जाता है वैसी स्थिति में बाढ़ जैसे ज्वलंत समस्या राजनीतिक दलों व सरकारों के विमर्श में उपेक्षित कैसे रह जाती है।

सभी दल बाढ़ जैसे समस्या का असली समाधान चाहती ही नहीं, क्यों हर वर्ष आने वाला बाढ़ उनके लिए गाढ़ी कमाई का जरिया होता है। बाढ़ नियंत्रण के नाम पर बनने वाले बांध व तटबंध से सबकी कमाई होती है। एवं उसमें नेता, ठेकेदार, इंजियर के साथ-साथ स्थानीय नौकरशाही की भी मिलीभगत होती है। इसलिए विभिन्न राजनीतिक दल बाढ़ जैसे विषय को अति तकनीकी करार देते हुए उसपर चुनावी भाषणों में बोलने से परहेज़ करती है।

बाढ़ को राजनीतिक विमर्श नहीं बनने के पीछे एक कारण सशक्त नागरिक समाज की अनुपस्थिति भी रही है। स्वतंत्रता के उपरांत हालांकि बहुत सारे सामाजिक आंदोलन व नागरिक समाज बाढ़, पानी औऱ तटबंध के नाम पर कार्य करते रहे हैं। परंतु राजनीतिक दल और सरकार के दबाव के कारण उन्होंने कभी भी बाढ़ नीति को चुनावी मुद्दे के रुप में उभार नहीं सके।

इस प्रकार, प्राणपुर सहित पूरा उत्तर बिहार में बाढ़ एक प्रमुख समस्या के रुप में तो है परंतु चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया है। विकासवादी, आत्मनिर्भर, और सुशासित बिहार का सपना बिना कुशल बाढ़ प्रबंधन के संभव प्रतीत नहीं होता है। यह सरकार भी जान रही है और विपक्ष भी।

नागपुर की जगह मुंबई में होगा महाराष्ट्र सरकार का शीतकालीन सत्र? विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले लेंगे फैसला

मुंबई, कोरोना महामारी की वजह से राज्य के कई सारे महत्वपूर्ण कार्यक्रम, बैठक, त्यौहार हमेशा की तरह इस बार पूरे नहीं हो सके। नागपुर में होने वाले महाराष्ट्र सरकार के शीतकालीन अधिवेशन पर भी कोरोना का ग्रहण लगता हुआ नजर आ रहा है। इस बार यह अधिवेशन नागपुर की जगह मुंबई में होने की संभावना जताई जा रही है। कोरोना संकट की वजह से बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की बैठक भी समय पर नहीं हो पाई। इसके अलावा शीतकालीन अधिवेशन की तैयारी करने के लिए भी कोरोना की वजह से पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से अब यह अधिवेशन नागपुर की जगह मुंबई में होने की बात सामने आ रही है।

नागपुर की जगह मुंबई में होगा शीतकालीन सत्र?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले इस संदर्भ में विरोधी दल के नेताओं से भी बातचीत करने वाले हैं। फिलहाल कोरोना की दूसरी लहर आने की भी आशंका जताई जा रही है।

इसके साथ ही नागपुर का एमएलए हॉस्टल भी कोरोना सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। जिसकी वजह से कई सारे विधायकों ने इस जगह पर रुकने में आपत्ति दर्ज कराई है।

सरकारी मशीनरी को शिफ्ट करने पड़ता है

नागपुर अधिवेशन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकारी मशीनरी को भी मुंबई और अन्य जिलों नागपुर शिफ्ट करना पड़ता है। कोरोना संकट में इतने लोगों का नागपुर में बंदोबस्त कर पाना भी काफी मुश्किल होगा। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष ने 7 दिसंबर से नागपुर में शीतकालीन अधिवेशन होने की बात कही थी। इसीलिए अधिवेशन के दौरान कोरोना से बचाव के लिए विधानमंडल में नेगेटिव प्रेशर की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

अपने ग्राहकों को ड्रग्स बेचने वाले को मारने पिस्तौल लेकर पहुंची महिला गिरफ्तार

मुंबई। अपने ग्राहकों को ड्रग्स बेचने वाले की हत्या के लिए पिस्तौल लेकर पहुंची एक 34 वर्षीय महिला को पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को कुर्ला इलाके में फिनिक्स मॉल के पास से दबोचा। दूसरों की नजर में आने से बचने के लिए महिला ने बुर्का पहन रखा था। आरोपी महिला के पास से पिस्तौल के साथ तीन कारतूस भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार महिला का नाम सीमा खान है।पूछताछ के दौरान महिला ने दावा किया कि तौफीक नाम के शख्स ने उसे पिस्तौल अपने एक दोस्त को देने को कहा था। इस पिस्तौल के जरिए नशे के कारोबार में शामिल बाबा रहीम नाम के शख्स को रास्ते से हटाने की साजिश थी। दरअसल बाबा रहीम और आरोपी एक ही इलाके में नशे की सप्लाई करते हैं इसे लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। इसीलिए आरोपियों ने उसे रास्ते हटाने की साजिश रची थी। सीनियर इंस्पेक्टर मनीष श्रीधनकर ने बताया कि मामले में महिला को पिस्तौल देने वाले उसके साथी की तलाश की जा रही है। मामले में आर्म्स एक्ट और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

अदालत का समय नष्ट करने पर हाईकोर्ट ने दो कंपनियों पर लगाया पांच-पांच लाख रुपए का जुर्माना

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने अदालत का समय नष्ट करने के लिए टोल वसूली से जुड़ी दो कंपनियों पर पांच-पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है और उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति गिरीष कुलकर्णी की खंडपीठ ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह के भीतर टाटा कैंसर अस्पताल में जुर्माने की रकम जमा करने का निर्देश दिया है। याचिक में मुख्य रुप से राज्य सरकार को उसकी साल 2016 की एक अधिसूचना के तहत अनुबंध से जुड़े विवाद के लिए मध्यस्थता(अर्बीट्रेशन संस्थान) की व्यवस्था उपलब्धता कराने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था। खंडपीठ ने सुनवाई के बाद पाया कि याचिकाकर्ताओं के टोल से जुड़े ठेके समाप्त हो गए है। उनका महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के खिलाफ कोई दावा नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि इस याचिका के जरिए पहले से लंबित मामले के बोझ से दबी अदालत के बहुमूल्य समय को नष्ट किया गया है। जिसका उपयोग दूसरे मामलों की सुनवाई के लिए हो सकता था। यह बात कहते हुए खंडपीठ ने एमईपी आरजीएसएल टोल ब्रीज प्राइवेट लिमिटेड व राइमा टोल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर पांच –पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

दिवाली के लिए स्कूलों में अब 5 की बजाय 14 दिनों की छुट्टी

मुंबई। प्रदेश में स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को दीपावली की छुट्टी अब 5 दिन की बजाय 14 दिनों की मिलेगी। राज्य के स्कूलों को 7 से 20 नवंबर तक दिवाली की छुट्टी रहेगी। शुक्रवार को राज्य के स्कूली शिक्षा विभाग की ओर से दिवाली की छुट्टी की घोषणा के संबंध में परिपत्र जारी किया गया। स्कूलों को कम छुट्टी दिए जाने को लेकर विधान परिषद के शिक्षक विधायकों और भाजपा शिक्षक आघाड़ी ने नाराजगी जताई थी। इस लिए राज्य सरकार को फैसला बदलकर दिवाली की छुट्टी की अवधि को बढ़ाने का निर्णय लेना पड़ा है।

शिक्षक संगठनों की नाराजगी के बाद सरकार ने बदला फैसला

परिपत्र के अनुसार स्कूलों में 7 से 20 नवंबर तक छुट्टी रहेगी। छुट्टी के दौरान विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्यापन का कामकाज बंद रहेगा। स्कूली शिक्षा विभाग ने 5 नवंबर को परिपत्र जारी कर 12 से 16 नवंबर के बीच दिवाली अवकाश की घोषणा की थी। इससे पहले शिक्षक विधायक कपिल पाटील ने राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड से मुलाकात कर छुट्टी की अवधि बढ़ाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि स्कूलों को हर साल दिवाली में 18 दिनों की छुट्टी दी जाती है। इसलिए इस साल भी इतनी छुट्टी दी जानी चाहिए। वहीं भाजपा शिक्षक आघाड़ी मुंबई के अध्यक्ष अनिल बोरनारे ने स्कूलों को दिवाली की 21 दिन की छुट्टी देने की मांग की थी।

राजभवन के केयरटेकर ने रेस्क्यू किया 1 लाख रुपये का तोता, अमृता फडणवीस निकलीं मालकिन

मुंबई,महाराष्ट्र राजभवन के केयरटेकर राकेश जाधव ने बीते दिनों एक मकाउ तोते को रेस्क्यू किया था। तोते के असली मालिक का पता लगा रहे राकेश उस समय हैरान रह गए जब उनके दरवाजे पर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता और उनकी बेटी दिविजा खड़ी थीं। अमृता ने तोते को उसके नाम टाइगर कहकर पुकारा तो वह भी प्यार से उनके कंधे पर चढ़ गया। यह एक खूबसूरत मिलन था।

अमृता ने बताया, 'हमें लगा था कि टाइगर मर गया है। कुछ दिन पहले मैं हमारे गार्डन में उसके साथ खेल रही थी। मैं आगे-आगे भाग रही थी और टाइगर मेरे पीछे थे। मेरा पैर फंस गया और मैं गिर गई और टाइगर आगे चला गया। इससे पहले कि वह पीछे मुड़ पाता, उसे कौवे और चीलों के झुंड ने घेरकर हमला करना शुरू कर दिया और वह मेरी आंखों के सामने से दूर हो गया।' अमृता ने बताया कि उन्होंने यह भयानक दृश्य देखा लेकिन कुछ नहीं कर सकीं। राजभवन के केयरटेकर ने किया रेस्क्यू राजभवन के केयरटेकर ने किया रेस्क्यू

अफ्रीका के अमेजन इलाके में पाए जाते हैं मकाउ तोते

फडणवीस फैमिली ने साउथ अफ्रीका के अमेजन इलाके में पाए जाने वाले इस विदेशी पक्षी को शहर के एक ब्रीडर से खरीदा था। अमृता ने बताया कि वह लॉकडाउन से पहले ही उनके घर आया था और अभी एक साल का है।

उन्होंने बताया कि वह एक बार पहले भी उड़ गया था लेकिन फिर खुद से वापस आ गया।

तोते के मालिक का पता लगाने के लिए वॉट्सऐप पर भेजे मेसेज

बुधवार को राजभवन के केयरटेकर जाधव और विशाल को एक बड़ा, रंगीन पक्षी कौवों से घिरा हुआ दिखा, वह एवॉन अपार्टमेंट से लगे हुए कबूतर के जाल में उलझा हुआ था। दोनों केयरटेकर बिल्डिंग की सातवीं मंजिल पर चढ़े और पक्षी को रेस्क्यू कर लिया। दोनों ने मकाउ तोते को कुछ दिन के लिए निरीक्षण में रखा और इसके मालिक का पता लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने वॉट्सऐप ग्रुप पर मेसेज भी भेजे।

तोते से हुआ भावुक मिलन

तोते से दोबारा मिलकर भावुक हो गईं अमृता

शुक्रवार को अमृता फडणवीस मकाउ की पूछताछ के लिए आईं। राजभवन के पीआरओ उमेश काशिकर ने बताया, 'अमृता पूछ रही थीं कि किसी ने एक बड़े आकार वाले तोते को देखा हो। हमने उन्हें बताया कि हमें एक ऐसा ही तोता मिला है। उन्होंने जाधव के घर जाकर उसे देखने की बात कही। जब उन्होंने मकाउ को देखा तो वह रोने लगीं। उन्होंने उसे बुलाया और वह उनके पास दौड़कर आ गया।'

तोते की कीमत 1 लाख रुपये से अधिक

पक्षी वैज्ञानिक बिक्रम ग्रेवाल के अनुसार, भारत में विदेशी पक्षियों को घर पर पिंजड़े में रखना कानूनी रूप से वैध है लेकिन तोते को नहीं। मकाउ विदेशी और महंगे पक्षी होते हैं। इनकी कीमत 1 लाख रुपये से ऊपर होती है।

कंगना का बंगला गिराने से रोकने वाली महिला को मिली जमानत

मुंबई। एक स्थानीय अदालत ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के बंगले को गिराते समय सरकारी अधिकारियों के काम में अवरोध पैदा करने वाली महिला को जमानत प्रदान की है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक जब अभिनेत्री के बंगले को गिराने की कार्रवाई चल रही थी वहां करीब 15 से 20 लोग इकट्ठा हुए थे। इन लोगों ने वहां नारेबाजी की और पुलिस के काम मे अवरोध पैदा किया। इस दौरान आरोपी सपना परेरा को गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर एम सदरानी के सामने जमानत आवेदन पर सुनवाई हुई। इस दौरान परेरा के वकील श्रीगणेश सवलकर ने कहा कि मेरे मुवक्किल का रनौत से कोई संबंध नहीं है। मेरी मुवक्किल एक श्रमिक है। उसका किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है। उसने सरकारी अधिकारियों के काम मे अवरोध पैदा नहीं किया है। इन दलीलों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने आरोपी को 15 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत प्रदान कर दी।

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना लागू करने को मिली मंत्रिमंडल की मंजूरी

मुंबई। राज्य में मछली उत्पादन दोगना करने के लिए "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' लागू करने का फैसला राज्य मंत्रिमंडल लिया है। गुरुवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया गया। देश में मछली उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य हासिल करने 20 मई 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत देशभर में 20,050 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। जिसमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 9407 करोड़ और सभी राज्यों की हिस्सेदारी 4880 करोड़ होगी। जबकि लाभार्थी हिस्सेदारी 5763 करोड़ की होगी। इस योजना में केंद्रीय अनुदान 24 फीसदी, राज्य का अनुदान 16 फीसदी और लाभार्थी की सहभागिता 60 प्रतिशत की होगी। अनुसूचित जाति-जनजाति व महिलाएं के लिए विशेष वरियता रहेगी। योजना के तहत मीठे पानी में मत्स्य बीज-झींगा उत्पादन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। नए तालाबों का निर्माण, लघु सागरी मत्स्य बीज का उत्पादन, शीतगृह निर्माण, रेफ्रीजरेटेड वाहनों की व्यवस्था, रोग निधान प्रयोगशाला, मछली मारने वालों के लिए बीमा, न्यूक्लियस प्रजनन केंद्र, अक्वा पार्क, मछली बाजार बनाने जैसे कार्य इस योजना में शामिल होंगे।

आतिथ्य सत्कार क्षेत्र को उद्योग का दर्जा

कोरोना संकट के चलतेप्रभावित होटल व पर्यटन व्यवसाय को नई संजीवनी देने के लिए राज्य सरकार ने आतिथ्य सत्कार क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने का फैसला लिया है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस फैसले को मंजूरी दी है। इसके तहत प्रथम चरण में केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय में पंजीकृत होटल व्यवसायियों से 1 अप्रैल 2021 से बिजली दर, बिजली शुल्क, पानी शुल्क, संपत्ति कर, विकास कर की वसूली औद्योगिक दर से की जाएगी। जबकि जिन होटलों का केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के यहांपंजीकरण नहीं है, उन्हें भी यह लाभ देने के लिए एक समिति बनाई जाएगी। यह समिति इसके लिए मापदंड तय करेगी। इसके बाद ऑनलाईन आवेदन मंगा कर मापदंड पूरे करने वाले होटलों को भी औद्योगिक दरों का लाभ दिया जाएगा।

नए कालेजों को अनुमति देने की अवधि बढ़ी

कोरोना संकट के चलते शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए नए महाविद्यालय, नए पाठयक्रम, विषय, वर्ग शुरु करने के लिए दी गई समय सीमा को तीन महिने तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इसके लिए महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम में जरुरी बदलाव किया जाएगा।

विदर्भ के साथ अन्याय की शिकायत लेकर राज्यपाल से मिलने पहुंचे शिवसेना के दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री किशोर तिवारी

मुंबई। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पहुंच से दूर होने का हवाला देते हुए अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भाजपा नेता आए दिन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलने राजभवन पहुचते ही रहते हैं पर शुक्रवार को शिवसेना नेता व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री किशोर तिवारी को भी राजभवन जाना पड़ा। वसंतराव नाईक शेतकरी स्वावलंबन मिशन के अध्यक्ष तिवारी ने राज्यपाल से मुलाकात कर विदर्भ व मराठावाडा के अनुशेष को दूर करने की मांग की। लंबे समय से विदर्भ जन आंदोलन समिति के माध्यम से किसान आत्महत्या का मामला उठाने वाले तिवारी ने विदर्भ के यवतमाल जिले के केलापुर-पांढरकला, झरी जामनी और मोरेगांव जैसे ग्रामीण इलाकों का दौरा करने के लिए राज्यपाल से निवेदन किया। तिवारी ने कहा कि राज्यपाल से मैंने निवेदन किया है कि अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर विदर्भ व मराठावाडा के पिछले इलाकों को न्याय दिलाए। उन्होंने कहा कि इस पिछले इलाके में राज्यपाल के आगमन से इस इलाके के गरीबों का उत्साहवर्धन होगा। गौरतलब है कि अतिवृष्टि प्रभावित किसानों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित 10 हजार करोड़ के पैकेज में विदर्भ को बहुत कम हिस्सेदारी मिलने की शिकायत लेकर तिवारी मुख्यमंत्री से मिलने के लिए कई दिनों से मुंबई में डेरा डाले हुए हैं। फिलहाल उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो सकी है। इस बीच उन्होंने सबके लिए सुलभ राज्यपाल कोश्यारी से मुलाकात की है।

पत्नी का किसी और के साथ था चक्कर, पति ने चाकू से गोदकर मार डाला, फिर थाने में किया सरेंडर

ठाणे, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक महिला की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भिवंडी के रफीक मोहम्मद यूनुस (50) ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि रफीक की पत्नी का किसी और व्यक्ति के साथ कथित प्रेम संबंध की बात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इससे वह व्यक्ति शर्मिंदगी महसूस कर रहा था और व्यथित था। इसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, अंसार नगर के रफीक मोहम्मद यूनुस (50) की लगभग 17 साल पहले नसरीन खान (36) से शादी हुई थी, उन्हें तीन बच्चे हैं। पावरलूम कारखाने में काम करने वाले रफीक को पिछले दो-तीन सालों से संदेह था कि उसकी पत्नी नसरीन का किसी के साथ अवैध संबंध है। इसके कारण रफीक और उसकी पत्नी नसरीन के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। इसी कारण नसरीन गैबीनगर में रहने वाली अपनी बहन के घर रहने चली गई थी। पेट और हाथ पर 10 से 12 वार किए सूत्र बताते हैं कि इसी बीच उसके तथाकथित प्रेमी सदाम ने नसरीन के साथ आपत्तिजनक स्थिति वाला एक वीडियो वायरल कर दिया। इसके बाद रफीक काफी व्यथित हो गया था और उसका पत्नी से झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद रफीक ने धारदार चाक़ू से पत्नी नसरीन के पेट और हाथ पर 10 से 12 वार कर दिए, जिससे वह घायल हो गई। नसरीन को इलाज के लिए आईजीएम उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दैरान उसकी मौत हो गई। मृतक की बहन ने किया केस पत्नी की हत्या के बाद रफीक ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन पहुंचकर आत्म समर्पण कर दिया। शांतिनगर पुलिस ने मृतक की बहन आयशा सैय्यद की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज करके रफीक खान को गिरफ्तार कर लिया। झारखंड में भी हुआ कुछ ऐसा इसी बीच, झारखंड के रामगढ़ जिले के एक गांव में एक 26 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस पर गोला प्रखंड क्षेत्र के पूबडीह गांव की खाप पंचायत पर लव कुमार को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। लव के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोप है कि पंचायत ने विवाहित महिला के साथ अवैध संबंध रखने पर लव कुमार को भरी पंचायत में एक लाख 25 हजार रुपये जुर्माना लेकर उसे अपनी विधवा भाभी के साथ जबरन शादी करने का फरमान सुनाया गया था।

प्रेगनेंसी में गाजर मां और बच्चे के लिए होती है इतनी फायदेमंद

सोनल झालावाड़िया

प्रेगनेंसी में मां और बच्चे के लिए इतनी फायदेमंद होती है गाजर प्रेगनेंसी में हर महिला अपनी और अपने बच्चे की सेहत को लेकर सजग हो जाती है। वह अपने बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान देने लगती है। गर्भावस्था में सबसे महत्वपूर्ण जिस बात पर ध्यान देना चाहिए वह है कि आपका आहार कैसा होना चाहिए।

प्रेगनेंसी डायट में आपको ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जो पोषक तत्वों से भरपूर हों। आज हम आपको यही बताने जा रहे हैं कि गर्भावस्था के दौरान गाजर को अपने आहार में शामिल करने का क्या महत्व है और इसके फायदे-नुकसान क्या-क्या हैं?

गर्भावस्था में गाजर के पोषक तत्व100 ग्राम गाजर में कैलोरी 41Kcal, कार्बोहाइड्रेट 9.58 ग्राम, प्रोटीन 0.93 ग्राम, फाइबर, 2.8 ग्राम, फैट 0.24 ग्राम, शुगर 4.5 ग्राम, विटामिन ए 5 मिग्रा, विटामिन सी 6 मिग्रा, विटामिन बी 60.135 ग्राम, विटामिन के 13.2 मिग्रा, सेलेनियम 11 मिग्रा, मैंगनीज 0.143 मिग्रा, कॉपर 0.045 मिग्रा, पोटेशियम 320 मिग्रा, सोडियम 69 मिग्रा, कैल्शियम 33 मिग्रा, आयरन 0.3 मिग्रा, मैग्नीशियम 12 मिग्रा, जिंक 0.24 मिग्रा और फास्फोरस 35 मिग्रा होता है।

गर्भावस्था के दौरान गाजर खाने के फायदे

गाजर में कई तरह के विटामिन और मिनरल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। इसे पोषक तत्वों का खजाना भी कहा जाता है। यह जमीन पर उगने वाली सब्जी है जिसे कच्चा और पकाकर दोनों तरह खाया जा सकता है। गाजर को गर्भावस्था में खाना सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है।

गाजर विटामिन ए का बहुत अच्छा स्रोत होती है, इसलिए यह आंखों के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। इससे गर्भस्थ शिशु की आंखों की रोशनी तेज करने में मदद मिलती है।

गाजर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक होता है।

इसमें मौजूद कैल्शियम और विटामिन ए, बीटा कैरोटीन पाया जाता है, जो भ्रूण के विकास में मदद करता है।

गाजर का सेवन एनीमिया को रोकने में भी मददगार होता है क्योंकि इसमें आयरन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है।

गर्भावस्था में कब्ज की परेशानी आम होती है, चूंकि, गाजर में फाइबर होता है इसलिए इसे खाने से कब्ज की समस्या नहीं रहती।

गाजर में फास्फोरस होता है जो शरीर की ऐंठन और मांसपेशियों की अकड़न को दूर करता है।

गाजर खाने से प्रेगनेंसी में होने वाले हाई ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रण किया जा सकता है।

गाजर में मैंगनीज होता है जो गर्भस्थ शिशु की हड्डियों और कार्टिलेज के निर्माण के लिए आवश्यक होता है।

गाजर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी और फोलिक एसिड होता है जो गर्भस्थ शिशु के तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क के विकास में सहायक होते हैं। यह शिशु में जन्म संबंधी दोष जैसे कि स्पाइना बिफिडा जैसी बीमारी को रोकने में भी मदद करते हैं।

प्रेगनेंसी में गाजर खाने के नुकसान

माना कि गाजर खाना गर्भवती महिला के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में इसके नुकसान भी हो सकते हैं:

गाजर में कैरोटीन नामक पदार्थ होता है जिसकी अधिक मात्रा त्वचा के लिए हानिकारक हो सकती है।

यदि आप अधिक मात्रा में गाजर का सेवन करती हैं तो विटामिन ए की उच्च मात्रा आपके शरीर में अधिक हो जाती है जो भ्रूण के विकास के लिए सही नहीं है।

गाजर का सेवन ज्यादा करने से सिरदर्द या जी मतली जैसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

गाजर का जूस ज्यादा मात्रा में पीने से गर्भावस्था में सिरदर्द और सुस्ती हो सकती है।

रात के समय क्यों खाना चाहिए गुड़? ऐस चमत्कारी लाभ पढ़ कर हैरान रह जाएंगे आप

सर्दियों में रोजाना गुड़ खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। गुड़ में वजन घटाने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने तक कई फायदे छिपे हैं। रात में सोने से पहले गुड़ का सेवन करें।

गुड़ सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। इसमें प्राकृतिक मिठास पायी जाती है, इसलिए लोग आमतौर पर भोजन के बाद गुड़ का सेवन करते हैं। गुड़ को कच्चे और सांद्र गन्ने के रस को उबालकर बनाया जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण ज्यादातर भारतीय घरों में बड़े पैमाने पर गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। गुड़ में प्रोटीन, विटामिन बी12, बी6, फोलेट, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और सेलेनियम जैसे कई तरह के खनिज पाए जाते हैं। इसमें वसा की मात्रा नहीं पायी जाती है। इसलिए गुड़ वजन घटाने में भी काफी मदद करता है। आइए जानते हैं सेहत के लिए गुड़ के फायदे। सेहत के लिए गुड़ के फायदे: बीमारियों को दूर करने के लिए सदियों से गुड़ का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व संक्रमण से लड़ते हैं और शरीर की सुरक्षा करते हैं। गुड़ के अन्य फायदे निम्न हैं। वजन घटाने में फायदेमंद: गुड़ में पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को संतुलित करता है और मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है। साथ ही यह वाटर रिटेंशन की समस्या को कम करता है जिससे वजन तेजी से घटता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए: गुड़ में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और जिंक एवं सेलेनियम जैसे खनिज पाए जाते हैं। यह फ्री रेडिकल की क्षति को रोकने में मदद करता है और इम्यूनिटी को बढ़ाता है। इससे शरीर में संक्रमण एवं अन्य बीमारियां नहीं होती हैं। इसके अलावा गुड़ रक्त में हीमोग्लोबिन को भी बढ़ाता है।

कब्ज दूर करे: गुड़ पाचन एंजाइम को सक्रिय करता है जिससे पेट में कब्ज की समस्या नहीं होती है। यह डाइयूरेटिक के रूप में भी काम करता है और मल को जमा नहीं होने देता है। नियमित भोजन के बाद एक टुकड़ा गुड़ का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर होती है और भोजन आसानी से पच जाता है।

पीरियड का दर्द कम करे: गुड़ में कई तरह के आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह पीरियड के दौरान पेट में दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करता है। साथ ही मूड को भी बेहतर बनाता है। गुड़ एंडोर्फिन का स्राव करता है जिससे शरीर को राहत मिलती है। प्री मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम के लक्षणों से बचने के लिए रोजाना एक टुकड़ा गुड़ का सेवन करना चाहिए।

लिवर को साफ रखे: गुड़ को प्राकृतिक बॉडी क्लींजर माना जाता है। यह लिवर की सफाई कर हानिकारक विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही यह लिवर को डिटॉक्सीफाई करता है। इससे लिवर पर दबाव कम होता है और लिवर स्वस्थ रहता है।

एनीमिया से बचाए: गुड़ में पर्याप्त मात्रा में आयरन पाया जाता है जो लाल रक्त कोशिकाओं के सामान्य स्तर को बनाए रखता है और शरीर में खून की कमी होने से बचाता है। गुड़ खासतौर पर गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। यह शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है और कमजोरी दूर करता है। गुड़ न सिर्फ वजन घटाने में मदद करता है बल्कि शरीर में खून की कमी भी नहीं होने देता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसलिए नियमित रूप से गुड़ का सेवन करना चाहिए।

इम्यूनिटी पर भारी न पड़े रोज काढ़ा पीना, जानें कितना और कैसे पीना सही

कोरोना वायरस जैसी महामारी के डर से अब हर इंसान खुद को स्वस्थ्य रखने के लिए तरह-तरह के तरीके अपना रहा है। इन तरीकों में सबसे कॉमन है काढ़े का सेवन। लोग अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए दिन में तीन से चार बार काढ़ा पीने लगे हैं। हालांकि, आयुर्वेद में भी काढ़ा पीने के अनेक फायदे बताएं हैं लेकिन इस उपचार को लोग अपनी मनमर्जी से कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं काढ़ा का ज्यादा सेवन भी हानिकारक साबित हो सकता है? हम आपको बताते हैं क्या है इसे पीने का सही और गलत तरीका।

काढ़ा पीने का गलत तरीका: किसी भी चीज की अति नुकसान ही करती है। और यही बात काढ़े पर भी लागू होती है। न्यू यॉर्क में रहने वाली आयुर्वेदिक डॉक्टर निधि पांडे का कहना है कि अगर काढ़े काढ़े सही तरीके से नहीं पीया गया तो ये फायदे से ज्यादा हानि पहुंचा सकता है। काढ़े को हद से ज्यादा उबालना या फिर उसे लगातार ज्यादा मात्रा में पीने से यूरिन इंफेक्शन, स्किन में ड्राईनेस, मुहांसे, एसिडिटी और मुंह में छाले जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आप काढ़े का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना चाहते हैं तो उसे सही मात्रा में और सही तरीके से पिएं।

1. काढ़े को ज्यादा ना उबालें: काढ़े में डाले जाने वाले मसालों को ज्यादा देर उबालने से उसका असर ज्यादा नहीं होता है। बल्कि इससे काढ़े में कड़वाहट आ जाती हैं और पीने के बाद पेट में जलन और एसिडिटी होने लगती है। मसालों को कुछ मिनट के लिए उबालना या स्टीम देना ही काफी होता है।

2. सिर्फ आधा कप काढ़ा पिएं: क्या आप उन लोगों में से हैं जो एक दिन में तीन बार काढ़ा पीते हैं? अगर ऐसा है तो इस आदत को बदल लें। एक दिन में आधे कप से ज्यादा काढ़े का सेवन ना करें। सर्दी के मौसम में भले ही इसे दो बार पी सकते हैं।

3. ठंडे मसाले मिलाएं: काढ़े में पड़ने वाले सभी मसाले गरम होते हैं इसलिए उनमें कुछ ठंडे मसाले जरूर मिलाएं। ठंडे मसलों में मुलेठी, इलाइची और गुलाब की पत्तियां हो सकती हैं। ये मसाले पेट से जुड़ी दिक्कतों से दूर करेंगे।

4. ठंडी चीजों का सेवन करें: काढ़ा पीने से शरीर में गर्मी पैदा होती है, जिससे मुहांसे और स्किन ड्राई हो सकती है। इन सब परेशानियों से बचने के लिए ठंडी खाने-पीने की चीजें खाएं जैसे संतरा।

5. खूब पानी पिएं: रोजाना काढ़ा पीने वाले लोगों को अपना शरीर हाइड्रेट रखना चाहिए। पेट को ठंडा रखने के लिए पुदीने की पत्तियां डालकर पानी और नारियल पानी पी सकते हैं।

शरीर में गर्मी पैदा करने वाला काढ़ा रोजाना पीना नुकसानदायक होता है।

छोटे बच्चों में पानी की कमी को पहचानकर ऐसे करें इलाज

हर व्यक्ति को कभी न कभी शरीर में पानी की कमी की समस्या होती ही है। बच्चों में भी डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। दस्त, उल्टी, बीमारी और गर्म मौसम की वजह से शरीर में तरल पदार्थों की कमी बढ़ सकती है और शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है।

आइए जानते हैं कि बच्चों में डिहाइड्रेशन के कारण, लक्षण और इलाज के क्या विकल्प हैं।

बच्चों में डिहाइड्रेशन के लक्षण

बच्चों को पेट में इंफेक्शन होने पर उल्टी, दस्त लग जाते हैं और उनका कुछ खाने या पीने का मन नहीं करता है। ऐसे में बच्चों में पानी की कमी हो सकती है। चूंकि, बच्चा तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नहीं समझ पाएगा इसलिए आपको ही इन पर ध्यान देना होगा। बच्चों के पानी की कमी के लक्षण कुछ इस प्रकार हैं :

बच्चों में पानी की कमी के कारण

अगर बच्चा तरल पदार्थ कम ले रहा है लेकिन उसके शरीर से तरल पदार्थ दस्त, पेशाब या उल्टी के जरिए बाहर निकल रहे हैं तो डिहाइड्रेशन हो सकती है। कुछ मामलों में बच्चों के पर्याप्त पानी न पीने की वजह से ऐसा हो सकता है। हालांकि, कई बार सिर्फ इंफेक्शन या बीमारी के कारण पानी की कमी हो सकती है। पर्याप्त पानी न पीने, उल्टी, दस्त, वायरल संक्रमण जैसे कि रोटावायरस, बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसे कि साल्मोनेला, परजीवी संक्रमण, बुखार या गर्मी की वजह से ज्यादा पसीना आना, दीर्घकालिक बीमारी जैसे कि डायबिटीज या सिलिएक डिजीज, किसी दवा के प्रभाव के कारण डिहाइड्रेशन हो सकती है।

शरीर में तरल पदार्थों की कमी को दूर करना ही डिहाइड्रेशन का सबसे असरकारी तरीका है। हल्की डिहाइड्रेशन को घर पर ही ठीक किया जा सकता है। दस्त, उल्टी या बुखार होने पर या पानी की कमी के लक्षण दिखने पर आप निम्न तरीके अपना सकते हैं

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : नवंबर माह के इस पहले सप्ताह की शुरुआत आपके लिए किसी शुभ समाचार से हो रही है। आपके अटके हुए काम बनेंगे। पैसों का आगमन होगा। उधार दिया हुआ पैसा भी आने की उम्मीद है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलेगा। किसी परिजन के सहयोग से बड़ी योजनाएं साकार करने में कामयाब होंगे।

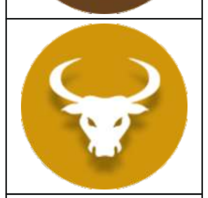

वृषभ : सप्ताह शुभ है, लेकिन ध्यान इस बात का रखना होगा किकिसी का दिल ना दुखाएं। संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें, इसी से आपको तरक्की मिलेगी। पारिवारिक जीवन में शांति रहेगी। बड़ों के साथ चल रहा मनमुटाव दूर होगा। यदि कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो कर लें।

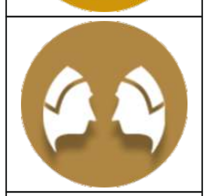

मिथुन : बौद्धिक कार्यो और लेखन में सफलता मिलेगी। निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होने के कारण सही समय पर सही काम पूरा कर पाएंगे। बिजनेस और जॉब से संबंधित समस्याओं का निपटारा होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य में जीवनसाथी का विचार महत्वपूर्ण होगा। आर्थिक तरक्की की राह पर बढ़ेंगे, लेकिन ध्यान रखें किसी को कर्ज देने से बचें।

कर्क : मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। स्वयं या किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशान चल रहे हैं तो इस सप्ताह वह परेशानी दूर होगी। पैसों का निवेश करते समय सतर्क रहें। सेवा क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को भागदौड़ रहेगी लेकिन लाभ भी मिलेगा। पारिवारिक जीवन में कुछ राहत रहेगी।

सिंह : अधूरे कार्यो को पूरा करने का वक्त आ गया है। आलस्य छोड़ें और जुट जाएं काम पूरे करने में। नया बिजनेस या जॉब शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। आर्थिक समस्याओं का निदान मिल जाएगा। पारिवारिक जीवन में बेहतरी के संकेत हैं। किसी खास व्यक्ति से भेंट होगी। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, यह ऐसा ही रहेगा लेकिन बढ़ेगा नहीं।

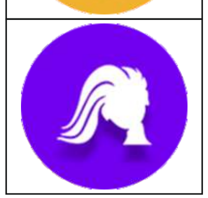

कन्या : संपत्ति संबंधी कार्यो का निपटारा होने का योग है। स्वयं का भूमि, संपत्ति खरीद सकते हैं। आजीविका के साधनों में परिवर्तन संभव है। धन का आगमन सुगमता से होगा लेकिन खर्च की अधिकता रहने से सप्ताह के अंत में परेशानी महसूस होगी। हड्डी और जोड़ों से संबंधित रोग आने की आशंका है।

तुला : भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति का मार्ग खुल रहा है। इसके साथ ही आध्यात्मिक तरक्की भी होगी। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी के सहयोग से योजनाओं को साकार करने में कामयाब होंगे। आर्थिक मजबूती मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन, बिजनेस में लाभ मिलेगा।

वृश्चिक : क्रोध की अधिकता रहने से बनते काम भी बिगाड़ लेंगे। इसलिए कोशिश करें किविवादों से बचें और अपनी वाणी को नियंत्रित रखें। परिवार में संबंध खराब होने की स्थिति बनेगी। आर्थिक मामले उलझेंगे लेकिन आप अपनी चतुराई से उनसे बच निकलेंगे। कारोबार और नौकरी से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिल सकेगी।

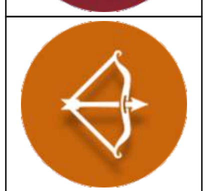

धनु : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। बहुत दिनों से जिस काम के पूरे होने का इंतजार कर रहे थे, वह गति पकड़ेगा और आपको लाभदायक स्थिति में ले आएगा। किसी विशेष कार्य से आपको यात्राएं करना पड़ेंगी। पारिवारिक जीवन में मांगलिक प्रसंग आएगा। आर्थिक मजबूती के साथ वह सब कर पाएंगे जो आप करना चाहते हैं।

मकर : कार्य-व्यवसाय-जॉब में बेहतरी की ओर अग्रसर होंगे। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो वह भी करें, लाभ का समय है। कार्य परिवर्तन या स्थान परिवर्तन फायदेमंद रहेगा। संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिताएंगे। प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। पारिवारिक स्थिति बेहतर रहेगी।

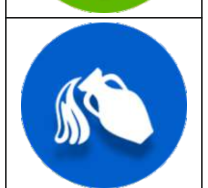

कुंभ : परिवार को महत्व देना होगा। संतानपक्ष और जीवनसाथी के कार्यो में सहयोग करें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना होगा। अस्थमा और श्वसन रोगी खासतौर पर सचेत रहें। बीमारियों पर खर्च भी होगा। बुजुर्गो को हृदय से जुड़ा कोई रोग हो सकता है। इससे मानसिक तनाव होगा। कार्य व्यवसाय पर फोकस नहीं कर पाएंगे।

मीन : परिवार में कोई मांगलिक और शुभ काम होगा। स्वयं के भूमि, संपत्ति, वाहन लेने का योग बनेगा। पारिवारिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। बिजनेस को विस्तार देने की योजना को धरातल पर उतारें। आलस्य का त्याग करके काम करेंगे तो लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

पति: क्या तुम मेरी सैलरी में गुजारा कर लोगी?
पत्नी: मैं तो कर लूंगी मगर तुम्हारा क्या होगा?

सोनू: हाय, अपना नंबर दो ना।
लड़की: 25/100 है।
सोनू: यह कैसा नंबर है?
लड़की: मैं पूजा हूं, तुम्हारी इंग्लिश टीचर।
सोनू: ओह, सॉरी मैम।
लड़की: कल स्कूल आना तो मम्मी-पापा को साथ लेकर आना, बात करनी है।

कंजूस महिला: ऐसा साबुन दो, जो कम घिसे और नहाने के बाद चेहरे पर लाली ले लाए।
दुकानदार: पप्पू, मैडम को एक ईंट का टुकड़ा दे दो।

रेप और हत्या मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे राम रहीम को गुपचुप तरीके से मिला परोल

रोहतक, रेप और हत्या मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के मुखिया गुरमीत राम रहीम को बीते दिनों एक दिन का परोल मिला था। हरियाणा में सीएम मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली बीजेपी-जेजेपी की गठबंधन सरकार ने 24 अक्टूबर को राम रहीम को परोल दिलाया था। बताया जा रहा है कि राम रहीम को कड़ी सुरक्षा में रोहतक जेल से गुरुग्राम लाया गया था लेकिन सुरक्षा में लगे जवानों तक को इसकी भनक नहीं थी। सिर्फ सीएम और कुछ अधकारियों को ही इस बात की जानकारी थी।

बता दें कि डेरा प्रमुख रेप और हत्या मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से रोहतक की जेल में बंद है। सूत्रों ने बताया कि राम रहीम को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए एक दिन का परोल मिला था। वह गुरुगाम के एक अस्पताल में भर्ती है। डेरा प्रमुख को रोहतक की सुनारिया जेल से गुरुग्राम अस्पताल तक भारी सुरक्षा के बीच ले जाया गया।

राम रहीम की सुरक्षा में पुलिस की तीन टुकड़ी

राम रहीम 24 अक्टूबर को शाम तक अपनी बीमार मां के साथ रहे थे। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा पुलिस की तीन टुकड़ी तैनात थी। एक टुकड़ी में 80 से 100 जवान थे। डेरा चीफ को जेल से पुलिस की एक गाड़ी में लाया गया जिसमें पर्दे लगे हुए थे। गुरुग्राम में पुलिस ने अस्पताल के बेसमेंट में गाड़ी पार्क की और जिस फ्लोर में उसकी मां का इलाज चल रहा था, उसे पूरा खाली करा दिया गया।

जेल सुपरिंटेंडेंट से मिला था निवेदन

रोहतक एसपी राहुल शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा, 'हमे जेल सुपरिंटेंडेंट से राम रहीम के गुरुग्राम दौरे के लिए सुरक्षा व्यवस्था का निवेदन मिला था। हमने 24 अक्टूबर को सुबह से लेकर शाम ढलने तक सुरक्षा उपलब्ध कराई थी। सब कुछ शांति से हुआ।'

सुरक्षा देने वाले जवानों को भी नहीं थी भनक

सिर्फ सीएम और कुछ वरिष्ठ हरियाणा के सरकारी अधिकारियों को ही इसकी जानकारी थी जिसको लेकर बीजेपी टॉप नेता के निर्देश दिए थे। यहां तक कि राम रहीम की सुरक्षा में लगे जवानों को भी इस बात की भनक नहीं थी कि वे किस शख्स को एस्कॉर्ट कर रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि इस तरीके से परोल देकर हरियाणा अधिकारियों ने भविष्य में उसके परोल पर रिहाई मांगने की स्थायी जमीन तैयार कर दी है।

किस मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है राम रहीम

बता दें कि पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने पिछले साल जनवरी में गुरमीत राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 16 साल पुराने इस मामले में कोर्ट ने गुरमीत राम रहीम के साथ ही तीन अन्य दोषियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

पत्रकार की हत्या और साध्वियों से रेप मामले में सजा

साल 2002 में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल, छत्रपति अपने समाचार पत्र में डेरा से जुड़ी खबरों को प्रकाशित करते थे। पत्रकार छत्रपति की हत्या के बाद परिजनों ने मामला दर्ज कराया था और बाद में इसे सीबीआई के सुपुर्द कर दिया गया।

सीबीआई ने 2007 में चार्जशीट दाखिल कर दी थी और इसमें डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को हत्या की साजिश रचने का आरोपी माना था। इससे पहले साल 28 अगस्त 2017 में सीबीआई की विशेष कोर्ट ने दो महिलाओं के साथ रेप के मामले में गुरमीत राम रहीम को 20 साल की सजा सुनाई थी।

कोरोना के बीच होगा इसरो का पहला सैटलाइट लॉन्च

आंध्र प्रदेश, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) इस साल कोरोना महामारी के दौरान अपना पहला सैटलाइट लॉन्च शनिवार को करने वाला है। यह लॉन्च दोपहर करीब 3 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से होने वाला है। इस लॉन्च में PSLV C49 रॉकेट अपने साथ EOS01 के रूप में प्राइमरी सैटलाइट ओर 9 दूसरे कमर्शल सैटलाइट ले जाएगा।

वैसे तो इसे लॉन्च करने का टाइम दोपहर 3 बजकर 2 मिनट रखा गया है लेकिन मौसम अगर गड़बड़ हुआ तो इसरो ने अपना बैकअप प्लान भी तैयार कर रखा है। अगर सबकुछ सही रहा तो इस लॉन्च के साथ इसरो 328 विदेशी सैटलाइट अंतरिक्ष में भेजने में कामयाब रहेगा। इसके साथ जाने वाले 9 कमर्शल सैटलाइट विदेशी हैं। इसके अलावा यह

इसरो का 51वां मिशन होगा।

इसरो का महामारी में पहला लॉन्च

इस लॉन्च में प्राइमरी सैटलाइट EOS01 एक रेडार इमेजिंग सैटलाइट (RISAT) है। यह अडवांस्ड रिसैट है जिसका सिंथैटिक अपरचर रेडार बादलों के पार भी देख सकेगा। दिन हो या रात या कोई भी मौसम हो यह हर समय कारगर साबित होगा। इससे मिलिटरी सर्विलांस में मदद तो मिलेगी ही साथ ही खेती, वानिकी, मिट्टी की नमी मापने, भूगर्भ शास्त्र और तटों की निगरानी में भी यह सहायक साबित होगा।

यहां देख सकते हैं लॉन्च का लाइव प्रसारण

इसरो अपने इस लॉन्च का लाइव टेलिकास्ट अपनी वेबसाइट, यूट्यूब चैनल, फेसबुक और ट्विटर पेज पर भी करेगा। कोरोना की वजह से मार्च से ही इसरो की लगभग सभी गतिविधियां रुक सी गई थीं। लेकिन अब इसरो दिसंबर में होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित नए रॉकेट स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल का पहला प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। कोरोना की बंदिशों के पहले जनवरी 2020 को इसरो ने PSLV C48 लॉन्च किया था जो RISAT-2BR1 लेकर स्पेस में गया था।

पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव चीन के साथ बड़े संघर्ष में तब्दील हो सकता है: सीडीएस जनरल बिपिन रावत

नई दिल्ली, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल बिपिन रावत का कहना है कि भारत किसी भी हाल में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) को पश्चिम की तरफ खिसकाने की चीन की मंशा सफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि यूं तो चीन के साथ युद्ध छिड़ने की आशंका नहीं के बराबर है, लेकिन सीमा पर जारी तनाव और चीनी सैनिकों की अतिक्रमण की कोशिशों के कारण बड़े पैमाने पर संघर्ष की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है। 'चीन के साथ पूर्ण युद्ध की आशंका नहीं, लेकिन हो सकता है बड़ा संघर्ष'

जनरल रावत ने एक वेबीनार में कहा, 'हमारी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि यथास्थिति बहाल करना ही होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'सुरक्षा आकलनों के मुताबिक चीन के साथ संपूर्ण युद्ध की आशंका बहुत कम है, हालांकि सीमा पर गतिरोध, सीमा पर उल्लंघन और बिना उकसाए चीन की तरफ से सैन्य कार्रवाइयों से बड़े स्तर पर संघर्ष की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।'

LAC को भारत की तरफ खिसकाने की चीन की मंशा सफल नहीं होगी'

देश के सबसे पड़े सैन्य अधिकारी ने इस बात पर भी जोर दिया कि चीन को एलएसी को इधर-उधर करने की अनुमति बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि चीन को सीमा पर उसके दुस्साहस का परिणाम भुगतना पड़ रहा है जिसकी उसकी कल्पना नहीं की थी क्योंकि भारतीय सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में दृढ़ता से बेहद कठोर प्रतिक्रिया दी।

हवाई क्षमता के इस्तेमाल से नहीं हिचकेगा भारत: वायुसेना प्रमुख

वहीं, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने भी कहा कि भारत की सक्रिय कार्रवाइयों और मजबूती से डटे रहने के कारण लद्दाख में यथास्थिति बदलने की चीन की आगे के प्रयासों को झटका लगा। वायुसेना की तरफ से त्वरित तैनातियों ने स्पष्ट कर दिया कि भारत जरूरत पड़ने पर हवाई क्षमता के उपयोग से नहीं हिचकेगा।

आठ दौर की सैन्य स्तरीय बातचीत लगभग बेनतीजा

भारत और चीन के बीच आठ दौर की सैन्य स्तरीय बातचीत हो चुकी है। भारत पूर्वी लद्दाख में सीमा पर से सारे सैनिकों की वापसी की मांग पर अड़ा है और चीन को दोटूक कह चुका है कि भारत से एकतरफा सैन्य वापसी की आस कभी पूरी नहीं होगी। अभी 15,000 फीट की ऊंचाई पर दोनों देशों के 50 हजार से ज्यादा सैनिक हॉवित्जर तोपों, टैंकों और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सिस्टम के साथ तैनात हैं।

आपके कंप्यूटर में वायरस है... बताकर अमेरिकियों से की 8 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन में पिछले एक साल से चल रहे फर्जी कॉल सेंटर को पकड़ा है। यहां से सेंटर के मालिक समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कॉल सेंटर से अमेरिकियों और कनाडा के नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा था। उनके कंप्यूटर में खराबी बताकर ये लोग उनसे रुपये ऐंठते थे। साइबर क्राइम यूनिट के डीसीपी अनयेश राय ने बताया कि इस तरह से इस गैंग ने माइक्रोसॉफ्ट टेक्निकल सपोर्ट के नाम पर 2,268 लोगों को ठगा है। इनसे यह लोग करीब आठ करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। राजौरी गार्डन में जिस जगह यह फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा गया है, वहां पर यह सेंटर 11 अक्टूबर 2019 से चला रहे थे। लॉकडाउन में इनके खिलाफ शिकायत मिली थी, लेकिन उस वक्त इन्होंने कुछ दिनों के लिए कॉल सेंटर बंद कर दिया था। फिर से कॉल सेंटर चलाने पर इनके बारे में शिकायत मिली। इस पर काम करते हुए गुरुवार रात को पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। ऐसे फंसाते थे पॉप अप के जाल में ये आरोपी लोगों के कंप्यूटरों में पहले पॉप-अप भेजते थे। फिर उनसे कांटेक्ट करके कहते कि आपके कंप्यूटर में वायरस आ गया है। अगर इसे जल्द सही नहीं कराया गया तो इससे आपको बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है। उनके बैंक अकाउंट खाली होने का डर दिखाकर ये उनके कंप्यूटरों को सही करने के नाम पर उन्हें ठगते थे, जबकि उनके कंप्यूटर पहले से ही सही होते थे। अपने आप को यह माइक्रोसॉफ्ट कंपनी की ओर से बताते थे जबकि यह गैंग खुद ही उन्हें इस तरह के वायरस होने का फर्जी पॉप-अप भेजा करता था। 27 की उम्र में शातिर तरीके से ठगी डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए जाने वाले मुलजिमों में मुख्य अभियुक्त 27 साल का साहिल दिलावरी भी है। यह सुभाष नगर में रहता है। डीसीपी ने बताया कि गैंग का चीफ ग्रेजुएट है। वह जगह बदल-बदलकर पिछले तीन साल से इस तरह का फर्जी कॉल सेंटर चला रहा है। इसके अलावा चैतन्य, सिहाज, योगेश, नितिन, गुरदित सिंह, सुकेश कुमार, नमन अरोड़ा, संजय पाल, दीपेंद्र सिंह, सुधीर शर्मा, मयंक तिवारी, गौरव सोमी, अवतार सिंह, एसएस डेविड, आयुष चौधरी और उमंग मनचंदा हैं। सभी 25 से 35 साल की उम्र के हैं। अधिकतर वेस्ट दिल्ली के ही रहने वाले हैं।

महिला डॉक्टर को ठगते पकड़े गए

जिस वक्त पुलिस ने छापा मारा, उस वक्त गैंग एक अमेरिकी महिला डॉक्टर को ठगने की कोशिश कर रहा था। अपने आपको यह गैंग माइक्रोसॉफ्ट टेक्निकल असिस्टेंस टीम का हिस्सा बताते थे। किसी के कंप्यूटर और प्रिंटर में खराबी आने पर यह कंप्यूटर को रिमोट पर लेकर उसे ठीक करने का बहाना करते थे। पुलिस ने बताया कि फर्जी कॉल सेंटर से कॉल करने के उपकरण समेत काफी दस्तावेज जब्त किए गए हैं। पता लगाया जा रहा है कि क्या इस गैंग में और भी साथी शामिल हैं। इन सभी को एसीपी आदित्य गौतम, इंस्पेक्टर मनोज, एसआई अजीत, हरजीत, विजेंद्र और सुनील की टीम ने पकड़ा है।

महबूबा मुफ्ती का केन्द्र पर निशाना, 'जम्मू-कश्मीर में पैदा कर दिए प्रेशर कुकर जैसे हालात'

जम्मू, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने को लेकर केन्द्र पर एक बार फिर निशाना साधा है। महबूबा ने कहा कि लोगों की आवाज को दबाकर जम्मू कश्मीर में एक 'प्रेशर कुकर' जैसी स्थिति बनाई गई थी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय आएगा जब केंद्र लोगों से हाथ जोड़कर पूछेगा कि वे तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के अलावा और क्या चाहते हैं?

मुफ्ती ने हिरासत से अपनी रिहाई के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, 'उन्होंने (केंद्र) लोगों की आवाज को दबा दिया है और उन्हें बात करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। यह एक प्रेशर कुकर की तरह है... उन्होंने ऐसा माहौल बनाया है। लेकिन

जब प्रेशर कुकर में विस्फोट होता है तो यह पूरे घर को जला देता है।'

'एक समय आएगा जब सरकार हाथ जोड़कर लोगों के सामने खड़ी होगी'

महबूबा गुपकार गठबंधन घोषणा पत्र (पीसीजीडी) की शनिवार को होने वाली बैठक में भाग लेने पहुंची हैं। मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी मौजूदा स्थिति में मूकदर्शक नहीं बनी रहेगी और जब तक अनुच्छेद 370 बहाल नहीं हो जाता तब तक चुप नहीं बैठेगी। पार्टी मुख्यालय में पीडीपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'एक समय आएगा जब नई दिल्ली की सरकार हाथ जोड़कर (कश्मीर के लोगों से) पूछेगी कि 'विशेष दर्जे की बहाली के अलावा और क्या चाहते हैं।'

'बीजेपी हमेशा के लिए सत्ता में नहीं रहेगी'

उन्होंने कहा कि बीजेपी ही हमेशा के लिए शासन नहीं करने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने अनुच्छेद 370 को खत्म करके संविधान का दुरुपयोग किया है। मुफ्ती ने आरोप लगाया कि देश को बीजेपी के एजेंडे के अनुसार चलाया जा रहा है न कि भारत के संविधान के अनुसार। उन्होंने पूछा, 'वे हर आवाज को दबा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को जेलों में बंद किया जा रहा है और उन्हें देशद्रोही करार दिया जा रहा है... यह कैसा लोकतंत्र है? क्या यह रामराज्य है? आप पीडीपी से क्यों डरते हैं?'

हरियाणा बोर्ड: 10वीं में 20 और 12वीं में 22 साल से ज्यादा उम्र के स्टूडेंट्स नहीं दे पाएंगे परीक्षा

गुड़गांव, 10वीं कक्षा में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 20 वर्ष और 12वीं के लिए 22 वर्ष निर्धारित की गई है। इस आयु वर्ग से बड़े स्टूडेंट्स का इन दिनों चल रही दाखिला प्रक्रिया में रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत न्यूनतम और अधिकतम आयु को लेकर सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रिंसिपल को कहा गया है कि बोर्ड परीक्षा के तहत इन दिनों स्कूलों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया कराए जाए, जिसको लेकर सभी स्कूलों को आयु के तहत ध्यान देने की जरूरत है।

दरअसल, बोर्ड परीक्षाओं के लिए एनरोलमेंट जारी है। इन दिनों किए जा रहे एनरोलमेंट के तहत अधिक आयु के स्टूडेंट्स का भी एडमिशन कराया जा रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा बोर्ड की ओर से स्कूलों को नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

स्कूलों को कहा गया है कि परीक्षार्थियों के ऑनलाइन फॉर्म भरने बाद उसकी हार्ड कॉपी निकालते हुए परीक्षार्थियों के विवरणों का मूल रिकॉर्ड से मिलान कर लें ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

स्कूलों को इन बातों का देना होगा ध्यान:

- परीक्षार्थियों का फोटो आवेदन फॉर्म में संबंधित स्कूल की ड्रेस में ही लगाना होगा।
- जिन स्टूडेंट्स का नाम स्कूल से आवेदन पत्र भरने से पहले कट चुका है ऐसे परीक्षार्थियों के आवेदन पत्र नहीं भरे जाएंगे।
- जो परीक्षार्थी एससी श्रेणी के हैं उनका शुल्क नहीं लिया जाएगा लेकिन माइग्रेशन और प्रैक्टिकल फीस ली जानी हैं।
- हरियाणा बोर्ड से मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के प्रधानाचार्य को दाखिला खारिज रजिस्टर पर शिक्षा अधिकारियों के साइन कराना जरूरी है।
- विद्यार्थियों से अतिरिक्त विषय का शुल्क लिया जाएगा
- आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद किसी भी सब्जेक्ट में संशोधन नहीं किया जाएगा।
- स्टूडेंट्स की ओर से फॉर्म भरवाने के समय जाति श्रेणी के संबंध में चीजें स्पष्ट करनी होगी बाद में उसमें संशोधन नहीं किया जाएगा।
- आधार कार्ड में विद्यार्थी का नवीनतम फोटो अपडेट करवाने की जिम्मेदारी भी स्कूल की ही होगी।

दिल्ली-NCR में लगातार तीसरे दिन जहरीली है हवा, गुड़गांव का AQI 500 के करीब

दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार खराब बनी हुई है। यह लगातार तीसरा दिन है जब दिल्ली, नोएडा, गुड़गांव, गाजियाबाद और फरीदाबाद में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 से ज्यादा दर्ज किया गया। 401 से 500 AQI तक हवा को 'गंभीर' माना जाता है। सर्दियों ने दस्तक दे दी है और दिवाली भी करीब है, ऐसे में हवा और जहरीली होने की आशंका है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए एक कमिशन बनाया गया है। वहीं दिल्ली में पटाखों पर 30 नवंबर तक के लिए बैन लगा दिया गया है। नियम तोड़ने वाले पर एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। 'सफर' ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के हॉटस्पॉट्स का अनुमान एक दिन पहले जारी करना शुरू कर दिया है। इससे प्रशासन को उस क्षेत्र में फोकस करने का इशारा मिलेगा।

दिल्ली की हवा में सांस लेना बड़ा खतरनाक

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डैशबोर्ड के अनुसार, दिल्ली का कोई इलाका ऐसा नहीं है जहां AQI 430 से कम हो। यानी हर जगह की हवा जहरीली है। दिल्ली की हवा में PM10 कणों की मात्रा सबसे ज्यादा है।

यूपी के नोएडा में भी दिल्ली जैसा हाल

दिल्ली जैसा हाल उससे सटे नोएडा का भी है। यहां CPCB के चारों मीटर्स 400 से ऊपर AQI दिखा रहे हैं। गुरुवार को नोएडा ही एनसीआर का सबसे प्रदूषित इलाका साबित हुआ था। स्मॉग के कारण शहर में दृश्यता भी लगातार कम होती जा रही है।

15 अक्टूबर से GRAP लागू है। उस दिन से लेकर 4 नवंबर (21 दिन) तक के आंकड़ों को देखें तो गौतमबुद्ध नगर एनसीआर में दूसरे जिलों की अपेक्षा 13 दिन सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। ग्रेनो का प्रदूषण ग्राफ सबसे ज्यादा बना हुआ है।

30 नवंबर तक पटाखे ना छोड़ें, उल्लंघन किया तो 1 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, दिल्ली सरकार की घोषणा के बाद डीपीसीसी ने 7 से 30 नवंबर तक दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले 23 अक्टूबर को डीपीसीसी ने एक अन्य पब्लिक नोटिस के जरिए लोगों को दिवाली, क्रिसमस और न्यू ईयर पर पटाखे चलाने के समय की जानकारी दी थी। शुक्रवार को जारी हुए इस नोटिस में पुराने निर्देशों को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सभी तरह के पटाखों पर यह रोक रहेगी। एक सवाल के जवाब में गोपाल राय ने साफ किया कि यदि कोई बैन का उल्लंघन करता है तो एयर एक्ट के तहत अधिकतम एक लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

डीपीसीसी ने नए नोटिस में कहा है कि राजधानी की हवा दिन प्रतिदिन बिगड़ रही है। 5 नवंबर की शाम 6 बजे एयर इंडेक्स 435 पर था। यह गंभीर श्रेणी में हैं। वहीं दूसरी तरफ कोविड-19 की तीसरी लहर भी राजधानी में शुरू हो गई है। ऐसे में यदि पटाखे जलाए गए तो लोग सोशल डिस्टेंसिंग के पालन को भूल सकते हैं। साथ ही प्रदूषण भी काफी गंभीर हो जाएगा। यही वजह से पटाखों पर यह प्रतिबंध लगाया गया है। सभी डीएम और डीसीपी को इन आदेशों को लागू करने को कहा गया है। साथ ही डेली एक्शन रिपोर्ट भी अधिकारी डीपीसीसी को जमा करेंगे।

गोपाल राय ने कहा कि दिवाली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार दिल्ली में ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन पिछले दो तीन दिनों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। 7000 से अधिक मामले रोज आ रहे हैं। साथ ही पराली जलने के मामले बढ़ने के कारण हमारे तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली का एक्यूआई स्तर बढ़ रहा है। पंजाब, हरियाणा, यूपी में पराली जलने के मामले बढ़ने से वायु स्तर खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ रहा है। एक्यूआई का स्तर लगभग 500-550 के बीच पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों को देखते हुए सीएम आवास पर अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य मंत्री, राजस्व मंत्री, पर्यावरण विभाग की संयुक्त बैठक हुई थी।

'कोई ऐसा कैप्टन बता दो, जो 8 साल तक IPL ट्रॉफी के लिए संघर्ष करता रहा?' कोहली पर बरसे गंभीर

पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने कहा कि यह बैंगलोर टीम के लिए वक्त है कि वह कप्तानी के लिए विराट कोहली से आगे सोचे।

नई दिल्ली, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) का आईपीएल की चमचमाती ट्रॉफी जीतने के सपना एक बार फिर से टूट गया। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम आरसीबी को एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 6 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। शुक्रवार को अबु धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में डेविड वॉर्नर की टीम हैदराबाद ने गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद केन विलियमसन (50*) की शानदार पारी की बदौलत बैंगलोर (131/7) को 6 विकेट से हरा दिया और क्वॉलिफायर-2 में जगह बनाई जहां उसकी भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स से होगी। बैंगलोर के लिए धुरंधर एबी डि विलियर्स ने 56 रन की पारी खेली लेकिन हैदराबाद के गेंदबाजों के सामने आरसीबी टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई।

इस हार के बाद पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने कहा कि यह बैंगलोर के लिए वक्त है कि वह कप्तानी के लिए विराट कोहली से आगे सोचे। उन्होंने कहा कि यदि वह बैंगलोर टीम के मैनेजमेंट में होते तो कोहली को कप्तानी से हटा देते।

कोहली ने 2013 में इस टीम की कप्तानी संभाली लेकिन तब से अब तक 8 सीजन में केवल 3 बार ही टीम प्लेऑफ तक पहुंच सकी। 2016 के सीजन में जरूर टीम रनर-अप रही लेकिन पिछले 2 सीजन में तो पॉइंट्स टेबल में अंतिम टीमों में शामिल रही।

दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान रहे गंभीर ने क्रिकइन्फो से कहा, 'यह मौका है कि कोहली आगे आएं और इस परिणाम के लिए जिम्मेदारी लें।'

यह पूछे जाने पर कि यदि वह फ्रैंचाइजी के प्रभारी होते तो कप्तान बदल देते तो गंभीर ने कहा, '100 प्रतिशत, क्योंकि समस्या जवाबदेही के बारे में है। टूर्नमेंट में आठ साल (बिना ट्रॉफी के), आठ साल बहुत लंबा समय है। मुझे कोई भी अन्य कप्तान... कप्तान के बारे में भूल जाइए, मुझे कोई अन्य खिलाड़ी बता दीजिए जिसको आठ साल हो गए और खिताब ना जीता हो। यह जवाबदेही होनी चाहिए। एक कप्तान को जवाबदेही लेने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'यह केवल एक साल की बात नहीं है। ना केवल इस साल के बारे में है। मैं विराट कोहली के खिलाफ नहीं हूं लेकिन कहीं ना कहीं उन्हें अपना हाथ उठाने की जरूरत है और कहें- 'हां, मैं जिम्मेदार हूं। मैं जवाबदेह हूं।'

गंभीर ने कहा, 'आठ साल एक लंबा, बहुत लंबा समय है। रविचंद्रन अश्विन के साथ क्या हुआ। किंग्स इलेवन पंजाब के लिए (कप्तानी के दो साल) वह बेहतर नहीं दे पाए और उन्हें हटा दिया गया। हम एमएस धोनी के बारे में बात करते हैं, हम रोहित के बारे में बात करते हैं। लेकिन हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं ... बिल्कुल नहीं। धोनी ने तीन (आईपीएल) खिताब जीते हैं, रोहित शर्मा ने चार, यही कारण है कि उन्होंने इतने लंबे समय तक कप्तानी की क्योंकि उन्होंने साबित किया है। मुझे यकीन है कि अगर रोहित ने आठ साल तक साबित ना किया होता, तो उन्हें भी हटा दिया जाता। अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग बात नहीं होनी चाहिए।'

IPL एलिमिनेटर में पडिक्कल से छूटा केन विलियमसन का कैच, विराट बोले- लपक लेते तो परिणाम कुछ और होता

अबु धाबी, धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का आईपीएल की चमचमाती ट्रॉफी उठाने का सपना एक बार फिर टूट गया। उसे अबु धाबी में क्वॉलिफायर-1 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 6 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। कैप्टन कोहली ने इस हार के लिए अपनी टीम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने साथ ही कहा कि यदि केन विलियमसन का कैच लपक लिया जाता तो मैच का परिणाम कुछ और होता।

शेख जायेद स्टेडियम में शुक्रवार को आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 131 रन बनाए। उसकी तरफ से एबी डि विलियर्स ने 56 रन की पारी खेली। सनराइजर्स ने केन विलियमसन की नाबाद 50 रन की पारी से 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया।

कोहली ने मैच के बाद कहा, 'अगर आप पहली पारी की बात करो तो मुझे नहीं लगता कि हमने पर्याप्त स्कोर बनाया था। हम थोड़े से अंतर से हार गए और अगर हमने केन (विलियमसन) को आउट कर दिया होता तो फिर परिणाम अलग होता। कुल मिलाकर हमने उनके गेंदबाजों को मनमाफिक गेंदबाजी करने दी और उन्हें दबाव में नहीं रखा।'

केन विलियमसन ने पारी के 18वें ओवर में नवदीप सैनी की दूसरी गेंद को सिक्स के लिए भेजा लेकिन लंबे कद के देवदत्त पडिक्कल ने 5 रन तो बचाए लेकिन वह इस मुश्किल कैच को लपकने में कामयाब नहीं हो पाए। हालांकि उनके प्रयास की सभी ने सराहना की। तब विलियमसन 37 रन बनाकर खेल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'पिछले चार मैच हमारे लिए काफी अजीब रहे। हमने सीधे फील्डर के हाथों में शॉट खेले। हमारे कुछ खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा यह अच्छा सीजन रहा। देवदत्त (पडिक्कल) और (मोहम्मद) सिराज उन खिलाड़ियों में शामिल हैं। युजी (युजवेंद्र चहल) और एबी (डि विलियर्स) ने हमेशा की तरफ अच्छा प्रदर्शन किया।'

जीत के बावजूद रोहित ने अपने नाम किया यह शर्मनाक रिकॉर्ड, हरभजन सिंह और पार्थिव पटेल की लिस्ट में हुए शामिल

मुंबई इंडियंस की टीम ने आईपीएल 2020 (IPL 2020) के पहले क्वलिफायर मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 57 रनों से जीत दर्ज की। मुंबई की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (नॉटआउट 55), सूर्यकुमार यादव (51) और हार्दिक पांड्या (नॉटआउट 37) की ताबड़तोड़ पारी के चलते 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 200 रनों बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्कस स्टोयनिस (65) और अक्षर पटेल (42) की पारियों के बावजूद 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 143 रन ही बना सकी। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा (0) अपनी खराब फॉर्म से जूझते नजर आए और कुछ खास नहीं कर सके। रोहित ने इस मैच में शून्य पर आाउट होने के साथ ही एक शर्मनाक रिकॉर्ड को भी अपने नाम कर लिया।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा दिल्ली के खिलाफ जीरो पर आउट होने के बाद आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। रोहित 13वीं बार आईपीएल में जीरो पर आउट हुए हैं। उनके साथ इस लिस्ट में हरभजन सिंह (13) और पार्थिक पटेल (13) भी मौजूद हैं। हिटमैन का बल्ला इस सीजन आईपीएल में खामोश नजर आया है। उन्होंने इस सीजन खेले 11 मैचों में महज 126.31 के स्ट्राइक रेट से 264 रन बनाए हैं, इस दौरान उन्होंने सिर्फ दो अर्धशतकीय पारी खेली है।

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम का मुकाबला दूसरे क्वलिफायर में जीत हासिल करने वाली टीम से होगा। यह छठा मौका है, जब मुंबई आईपीएल के फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 10 नवंबर को खेला जाएगा।

नेपाल और भारत का रिश्ता सदियों पुराना और खास, भारत के आर्मी चीफ से बोले केपी शर्मा ओली

नेपाल और भारत का रिश्ता सदियों पुराना और खास है... नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारतीय सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे से मुलाकात में यह बात कही। शुक्रवार को दोनों के बीच काठमांडू में मुलाकात हुई। नेपाल के प्रधानमंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि मौजूदा मुद्दों को दोनों देश बातचीत के जरिए सुलझा लेंगे।

केपी शर्मा ओली के विदेश सलाहकार रंजन भट्टाराई ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के सेना प्रमुखों को मानद महारथी का दर्जा देने की परंपरा है। बैठक के दौरान पीएम ने विश्वास जाहिर किया कि दोनों देशों के बीच मौजूदा मुद्दों को बातचीत से सुलझा लिया जाएगा।"

तीन दिन के दौरे पर काठमांडू पहुंचे नरवणे को गुरुवार को राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी की ओर से नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि दी गई। राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास शीतल निवास पर आयोजित सामारोह में उन्हें यह सम्मान दिया गया। जनरल नरवणे को तलवार भी भेंट गई।

शुक्रवार को नरवणे और ओली के बीच मुलाकात पीएम आवास बालूवाटर में हुई। ओली नेपाल के रक्षामंत्री भी हैं। दोनों के बीच यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब पिछले कुछ महीनों में पड़ोसी देशों के बीच रिश्तों में काफी तनाव देखा गया।

मई में नेपाल ने नया राजनीतिक नक्शा पास किया था, जिसमें भारत के उत्तराखंड के कई इलाकों को शामिल कर लिया गया। 8 मई को भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की ओर से उत्तराखंड में लिपुलेख पास को धारचूला से जोड़ने वाले अहम रणनीतिक सड़क का उद्घाटन करने पर नेपाल ने आपत्ति जाहिर की थी।

नेपाल की ओर से नया नक्शा जारी करने के बाद भारत ने इसका विरोध किया और इसे एकतरफा कार्रवाई बताया और कहा कि इस तरह क्षेत्रीय दावों का बनावटी विस्तार मान्य नहीं होगा। इसके बाद भी ओली ने भारत के खिलाफ कई बार खुलकर बयानबाजी की। घरेलू राजनीति की वजह से इस्तीफे का दबाव बढ़ने पर उन्होंने यहां तक कह दिया था कि उन्हें कुर्सी से हटाने के लिए नई दिल्ली में साजिशें रची जा रही हैं। उन्होंने भगवान राम को नेपाली बताते हुए कहा था कि भारत में नकली अयोध्या है, जबकि भगवान राम का जन्म नेपाल में हुआ था।

हार की कगार पर खड़े डोनाल्ड ट्रंप को लगा एक और झटका, जानें क्या

एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब तक के नतीजों में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हार की कगार पर खड़े दिखाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके चीफ ऑफ स्टाफ को कोरोना हो गया है। जो बाइडेन से जीत की रेस में पीछे चल रहे डोनाल्ड ट्रंप के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया के हवाले से आई है।

सीएनएन के मुताबिक, 61 वर्षीय मीडोज ने लोगों से कहा कि चुनाव के बाद वह कोरोना वायरस से ग्रसित हो गए हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वह बुधवार को यानी वोटिंग से एक दिन बाद पहली बार कोविड-19 संक्रमित पाए गए थे। वॉशिंगटन पोस्ट की मानें तो जब डोनाल्ड ट्रंप बुधवार की सुबह व्हाइट हाउस के एक कमरे में अपने करीब 150 शीर्ष सहयोगियों और समर्थकों के साथ बातचीत कर रहे थे, उस दौरान उस मीडोज भी उस भीड़ का हिस्सा थे। अब डर इस बात की है कि मीडोज से कई लोगों को कहीं कोरोना ने फैल जाए। बता दें कि हाल के दिन में ट्रंप प्रशासन के कई लोगों को कोरोना हो चुका है। खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप भी कोरोना वायरस की चपेट में आए थे। इनके अलावा, प्रेस सचिव काइली मेनने और नीति सलाहकार स्टीफन मिलर और होप हिक्स ऑक्टोब भी उन लोगों में शामिल हैं, जो शुरू में ही कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे। बता दें कि कोरोना वायरस ने दुनियाभर में सबसे अधिक तबाही अमेरिका में ही मचाई है। अमेरिका में कोविड -19 महामारी से सबसे अधिक लोग मरे हैं। अब तक इस कोरोना वायरस से अमेरिका में 236,000 लोगों की मौत हो चुकी है और 9.7 मिलियन से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं।

हम अमेरिकी विरोधी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं...ट्रंप से आगे चल रहे जो बाइडेन ने फिर किया जीत का दावा

अमेरिका का राष्ट्रपत कौन होगा, इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, अब तक के नतीजों से साफ है कि डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन की रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर बढ़त बरकरार है। इस बीच शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) एक बार फिर से जो बाइडेन ने अपने समर्थकों और अमेरिकी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की और ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि हम विरोधी हो सकते हैं, मगर दुश्मन नहीं। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन ने अमेरिकियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम इस रेस में जीतने जा रहे हैं।

बता दें कि व्हाइट हाउस पहुंचने के लिए किसी को भी 538 'इलेक्टोरल कॉलेज वोट में से 270 वोट हासिल करना जरूरी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि हम 300 से अधिक इलेक्टोरल कॉलेज वोट हासिल करने की राह पर हैं। हम इस वायरस को नियंत्रित करने के लिए पहले ही दिन से अपनी योजना को अमल में लाने जा रहे हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि जो परिणाम आए हैं, उससे पता चल रहा है कि कौन जीत रहा है।

उन्होंने कहा, अभी चुनाव के नतीजों की फाइनल घोषणा नहीं हुई है, मगर नतीजों के नंबर हमारी कहानी बयां कर रहे हैं कि हम जीत रहे हैं। हम इस रेस को जीतने जा रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब अब से 24 घंटे पहले डेमोक्रेट पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया में पीछे चल रहे थे मगर वर्तमान में दोनों राज्यों में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन लीड कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम एरिजोना में जीत रहे हैं, हम नेवाडा में जीत रहे हैं, सच कहें तो नेवाडा में हम दोगुने के अंतर से लीड कर रहे हैं। हमें यहां 74 मिलियन से अधिक वोट मिले हैं और हमारे साथ देश है।

मुझे गर्व है कि हमने पूरे अमेरिका में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने 2016 में उखड़ी हुई नीली दीवार को फिर से बनाया है। हम 24 साल बाद एरिज़ोना और 28 साल बाद जॉर्जिया को जीतेंगे।

पूनम पांडे के बाद अब मिलिंद के खिलाफ FIR दर्ज

एक्टर और मॉडल मिलिंद सोमन के खिलाफ अश्लीलता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मिलिंद ने 55वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वह गोवा बीच पर न्यूड होकर दौड़ते नजर आए थे। अब इस मामले में गोवा पुलिस ने उन पर एफआईआर दर्ज की है। साउथ गोवा के एसपी पंकज कुमार ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया एक्टर के खिलाफ आईपीसी की धारा 294 और आईटी टेक्नोलॉजी के अन्य सेक्शंस के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, इस मामले में मिलिंद सोमन की तरफ से अभी तक कोई बयान नही आया है। मालूम हो कि इससे पहले मॉडल-एक्टर पूनम पांडे के खिलाफ भी गोवा में FIR दर्ज की गई थी। पूनम पर आरोप है कि उन्होंने चापोली डैम पर अश्लील फोटो और वीडियो शूट किया था। इस केस में पूनम और उनके पति सैम बॉम्बे को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, बाद में दोनों को कैनाकोना ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की तरफ बेल मिल गई थी। सोशल मीडिया पर फूटा था लोगों गुस्सा इससे पहले पूनम पांडे के खिलाफ एफआईआर होने पर सोशल मीडिया पर लोगों को गुस्सा फूटा था। यूजर्स का कहना था कि अगर पूनम ने गलत किया है तो मिलिंद सोमन कैसे सही हो गए? इसके साथ ही यूजर्स ने पूनम पांडे को सपोर्ट किया था। स्क्रीन राइटर अपूर्व असरानी ने ट्वीट किया था, 'हाल ही में पूनम पांडे और मिलिंद सोमन, दोनों ने ही गोवा में अपने कपड़े उतारे। पूनम ने आधे तो मिलिंद ने पूरे कपड़े उतार दिए। पूनम अश्लीलता फैलाने के लिए कानूनी पचड़े में फंस गईं, वहीं मिलिंद को 55 साल की उम्र में फिट बॉडी रखने के लिए तारीफ मिल रही है। मुझे लगता है कि हम महिलाओं के न्यूड होने की तुलना में पुरुषों के न्यूड होने के प्रति अधिक उदार हैं।' इसके अलावा यूजर्स ने महिलाओं के प्रति समाज की सोच को लेकर ट्वीट किया था। एक यूजर ने लिखा, 'जिसके लिए मिलिंद सोमन को तरीफ मिली, वही चीज करने पर पूनम पांडे के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। यही वजह है कि फेमिनिज्म महत्वपूर्ण है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'मिलिंद करे तो चलेगा लेकिन पूनम करे तो नहीं।'

कृष्णा अभिषेक ने दी शो छोड़ने की धमकी? जानें यह है मामला

द कपिल शर्मा शो को खूब पसंद किया जाता है। शो में जब भी कपिल शर्मा और कृष्णा अभिषेक साथ नजर आते हैं तो लोगों की हंसी छूट ही जाती है। लेकिन अब कृष्णा ने कपिल शर्मा शो को छोड़ने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने यह बात शो के दौरान मजाकिया अंदाज में कही है। दरअसल, शो के आने वाले एपिसोड में कोरियोग्राफर-डायरेक्टर रेमो डिसूजा नजर आएंगे। इसका एक प्रोमो वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखता है कि शो में कृष्णा अभिषेक, सपना के किरदार में डांस करते हुए एंट्री मारते हैं। इस दौरान सपना शो पर जैसे ही रेमो डिसूजा को देखती है तो वह वापस जाने लगती हैं। वह जाने से पहले सभी गेस्ट को एक-एक करके बाय बोलती हैं। इस पर कपिल पूछते हैं, 'बॉय क्यों कर रही है, बात नहीं करेगी इनसे?' इस पर सपना कहती हैं, 'इतने सारे गेस्ट्स कोई बुलाता है क्या?' वहीं, वीडियो में दिखता है कि कृष्णा काम न देने को लेकर रेमो डिसूजा की चुटकी भी लेते हैं। सपना बोलती है कि रेमो सर मैंने आप पर एक किताब लिखी है, जिसका नाम है 'डांस का डेमो, डिसूजा का रेमो।' इस पर कपिल कहते हैं, 'ये क्या लिखा है तेरे को पता भी है इनके बारे में।' इसके जवाब में सपना बोलती है, 'इनके बारे में किसको नहीं पता है। नए-नए लड़कों को टीवी में स्टार बनाया, फिल्मों में स्टार बनाया।' सपना ने आगे कहा कि देश के कोने-कोने के लड़कों को स्टार बनाया, लेकिन इनकी (रेमो डिसूजा) बिल्डिंग में एक लड़का रहता है। उन्हें कभी कोई काम नहीं दिया। दरअसल, कृष्णा मजाकिया अंदाज में अपनी बात कर रहे हैं कि वह और रेमो एक ही बिल्डिंग में रहते हैं लेकिन रेमो ने कभी उन्हें कोई काम ऑफर नहीं किया। बता दें कि इस एपिसोड रेमो डिसूजा के साथ धर्मेश, पुनीत पाठक, सलमान, राहुल शेट्टी जैसे बेहतरीन डांसर्स आने वाले हैं।

सोनू सूद से स्टूडेंट ने पढ़ाई के लिए मांगी मदद, एक्टर के जवाब ने जीत लिया फैन्स का दिल

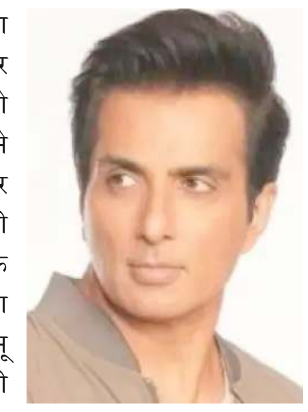

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोना काल में लोगों की बढ़-चढ़कर मदद कर रहे हैं। देश में लगे लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने से इस अभियान की शुरुआत की थी, जो अब तक जारी है। अब उनकी मदद करने का दायरा काफी बड़ा हो चुका है। सोनू सूद ने यूपी के एक छात्र की सहायता करने का बीड़ा उठाया है।

सोनू सूद को ट्विटर पर टैग कर देवरिया के छात्र ने लिखा, 'सर मेरे पापा नहीं हैं। मां गांव में आशा कार्यकर्ता हैं। हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। परिवार की आय सालाना 40 हजार है। यूपी बोर्ड की 10वीं परीक्षा में मेरे 88 प्रतिशत और 12वीं में 76 प्रतिशत था मुझे पढ़ना है। प्लीज मेरी मदद कीजिए।' सोनू सूद ने तुरंत रिस्पॉन्स देते हुए लिखा, 'मम्मी को बोल देना तेरा बेटा इंजीनियर बन रहा है।' सोनू सूद के इस ट्वीट पर उनके फैन्स जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।

बताते चलें कि सोनू सूद अपनी फिल्मों की शूटिंग के दौरान भी लोगों की मदद करते नजर आ चुके हैं। हाल ही में प्रोड्यूसर रमेश बाला ने सोनू सूद का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फरियादियों की बात सुनते नजर आ रहे हैं। इस पर सोनू सूद ने रमेश बाला के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग फरियाद लेकर सोनू सूद के पास पहुंचे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में रमेश बाला ने बताया कि लोग सैकड़ों किमी का सफर कर हैदराबाद में शूटिंग कर रहे सोनू सूद से मिलने के लिए पहुंच रहे हैं। इस ट्वीट के रिप्लाई में सोनू सूद ने लिखा, 'कभी-कभी भगवान इंसानों तक पहुंचने के लिए आपको दूत के तौर पर चुनते हैं। इन प्रोत्साहन भरे शब्दों के लिए रमेश सर आपका धन्यवाद।'

अक्षय कुमार ने की ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति नजरिया बदलने की अपील, शेयर किया इमोशनल वीडियो

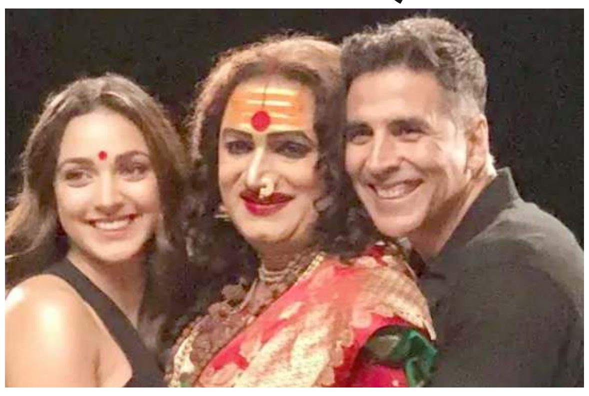

अक्षय कुमार ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस पहचान के माध्यम से वे समाज के ऐसे मुद्दों पर सहज होकर बात करते हैं, जिनपर आम जिंदगी में लोग कम ही बात करना चाहते हैं। पैडमैन, टॉयलेट जैसी फिल्में करने के बाद अब 9 नवंबर को अक्षय की फिल्म 'लक्ष्मी' रिलीज होने जा रही है। ये फिल्म डिज्नी हॉट स्टार पर रिलीज होगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें अक्षय एक ट्रांसजेंडर के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। बात करें इस वीडियो कि तो अक्षय ने इसे अपने ट्विटर और अन्य शोशल मीडिया अकाउंट पर रिलीज किया है। इस वीडियो में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति नजरिया बदलने की अपील की गई है। अक्षय के साथ इस वीडियो में कियारा आडवाणी और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी भी नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ अक्षय ने कैप्शन में लिखा "नजर से बचने के लिए तो बहुत टीके लगा लिए, नजरिया बदलने वाला टीका लगाने की अब हमारी बारी है। आइए जेंडर स्टीरियोटाइप को खत्म करें और लाल बिंदी लगाकर तीसरे जेंडर के लिए अपना सपोर्ट बढ़ाएं। यह लाल बिंदी समान प्यार और सम्मान की प्रतीक है।"

फिल्म लक्ष्मी के निर्देशक हैं राघव लॉरेंस और इसमें ट्रांसजेंडर समुदाय का चित्रण है। गौरतलब है कि पहले इस फिल्म का नाम लक्ष्मी बॉम्ब था जिसकी वजह से ये विवादों में भी घिर गई थी। उसके बाद इसका नाम बदलकर लक्ष्मी कर दिया गया। हाल ही में इसका एक गाना बम भोले भी रिलीज किया गया जिसमें अक्षय 100 ट्रांसजेंडरों के साथ डांस कर रहे हैं। इस गाने में अक्षय की ऊर्जा गजब की है। इस साल कोरोना वायरस महामारी के चलते अक्षय की सभी फिल्में टल गई थीं। लक्ष्मी पहले ईद पर रिलीज की जानी थी लेकिन अब इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा रहा है। अक्षय की फिल्म सूर्यवंशी भी इसी साल रिलीज होनी थी लेकिन अब वह अगले साल आएगी। इसके अलावा बच्चन पांडेय, बेलबॉटम, रक्षाबंधन, पृथ्वीराज, अतरंगी रे, अगले साल रिलीज होने की संभावना है।

शाहरुख खान की फिल्म पठान में होगी सलमान की एंट्री? मेकर्स ने बनाया ऐसा प्लान

शाहरुख खान अपनी नई फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में हैं। बताया जा रहा है कि वह इस फिल्म से लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। वहीं, अब चर्चा है कि सलमान खान भी फिल्म पठान का हिस्सा होंगे। अगर ऐसा होगा तो शाहरुख और सलमान एक बार साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक इस फिल्म को लेकर ऑफिशियल घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान, शाहरुख की फिल्म पठान में कैमियो करेंगे। इससे पहले उन्होंने साल 2018 में फिल्म जीरो में एक छोटा सा रोल किया था। शाहरुख के साथ सलमान एक गाने पर डांस करते नजर आए थे। इससे पहले खबर आई थी कि फिल्म पठान में दीपिका, शाहरुख खान के अपोजिट नजर आएंगी। वहीं, जॉन अब्राहम विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे। पिछले कई सालों में सलमान खान और शाहरुख खान एक दूसरे की फिल्मों में कैमियो करते नजर आ चुके हैं। सलमान खान ने कुछ कुछ होता है और ओम शांति ओम में नजर आए थे वहीं, शाहरुख खान ने हर दिल जो प्यार करेगा और ट्यूबलाइट में कैमियो किया था।

बताते चलें कि 2018 में आई फिल्म 'जीरो' के बाद शाहरुख खान की यह पहली फिल्म होगी जिसे वह शूट करने वाले हैं। वह इस साल के नवंबर के अंत में शूटिंग शुरू करेंगे। वहीं, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम जनवरी 2021 से शूट में शामिल होंगे। मिड डे के एक सोर्स के अनुसार, 'पहला शेड्यूल दो महीने का होगा जो पूरी तरह से शाहरुख पर बेस्ड होगा। जिसके बाद अगले साल फिल्म के दूसरे कलाकारों के साथ शूट शुरू किया जाएगा।' इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करेंगे।

नेपोटिज्म पर अभिषेक बच्चन बोले- पापा ने मेरे लिए कभी कोई फिल्म नहीं बनाई

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन की तुलना अक्सर उनके पिता अमिताभ बच्चन से होती है। साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिषेक बच्चन का मानना है कि अगर ऑडियंस आपके काम को स्वीकार नहीं करती है तो आप इंडस्ट्री में सर्वाइव नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नेपोटिज्म को लेकर कहा कि उनके पिता ने कभी भी उनके लिए किसी से सिफारिश नहीं की है। एक इंटरव्यू के दौरान अभिषेक ने कहा, 'फैक्ट यह है कि उन्होंने (पिता अमिताभ बच्चन) कभी किसी को कॉल नहीं किया। उन्होंने कभी भी मेरे लिए फिल्म नहीं बनाई। इसके विपरीत मैंने उनके लिए फिल्म पा को प्रोड्यूस किया था।' उन्होंने आगे कहा कि लोगों को यह समझना होगा कि यह एक बिजनेस है। पहली फिल्म के बाद अगर उन्हें आपके अंदर कुछ नहीं दिखता है या फिर फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं करती है तो आपको काम नहीं मिलेगा। यही जीवन की कड़वी सच्चाई है। अभिषेक ने आगे कहा कि जब मेरी फिल्में नहीं चलती है तो मुझे पता होता है, मैं जानता हूं कि मुझे कई फिल्मों में रिप्लेस किया गया। कई फिल्में नहीं बन सकीं। कई शुरु हुईं लेकिन बजट के कारण नहीं बन पाई क्योंकि उस वक्त मैं बैंकेबल नहीं था।

जब प्रियंका चोपड़ा के गाउन का हट गया था टेप, नमस्ते करते हुए एक्ट्रेस ने संभाली थी ड्रेस

प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इसके साथ ही वह फैशन आइकॉन भी हैं। हर बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक के हर इवेंट में प्रियंका स्टाइलिश और डिफ्रेंट कपड़े पहनती हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान प्रियंका ने मिस वर्ल्ड 2000 ब्यूटी पेजेंट के दौरान का एक किस्सा शेयर किया। प्रियंका ने कहा, साल 2010 में मैं मिस वर्ल्ड जीती थी और मेरी ड्रेस को टेप से चिपकाया था। मैं उस वक्त बहुत स्ट्रेस में थी और पूरी टेप निकल गई और पूरे वक्त वॉक करते हुए मैंने नमस्ते करके चल रही थी। सभी को लगा कि मैं जानबूझकर ऐसे चल रही थीं जबकि मैं अपने ड्रेस को संभाल रही थी। प्रियंका ने इसके बाद बताया कि दूसरी बार वह अपने ड्रेस को लेकर मेट गाला 2018 में अनकम्फर्टेबल हुई थीं। मेरे मेट गाला के आउटफिट में गोल्डन कलर का हूडी जुड़ा था। प्रियंका को उस ड्रेस में सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। इतना ही नहीं डिनर के समय वह ड्रेस की वजह से ज्यादा खा भी नहीं पाई थीं।

विदेश में पति के साथ मनाया करवा चौथ

प्रियंका ने हाल ही में निक जोनस के साथ करवा चौथ सेलिब्रेट किया। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर निक के साथ फोटोज शेयर की थीं। एक फोटो में वह लाल साड़ी पहने, मांग में सिंदूर और हाथों में पूजा की थाली लिए नजर आ रही थीं। वहीं, दूसरी फोटो में वह निक के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखाई दीं। एक्ट्रेस ने इन फोटोज को शेयर करते हुए सभी को करवा चौथ की बधाई दी थी। निक ने भी सभी को करवा चौथ की बधाई दी थी।

बता दें कि प्रियंका जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म द व्हाइट टाइगर में नजर आएंगी। इसमें वह राजकुमार की पत्नी के रोल में दिखेंगी। आदर्श गौरव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे बहुत पसंद किया गया। फिल्म का निर्देशन रमीन बहरानी ने किया है और यह साल 2021 की जनवरी में रिलीज होगी। इसके अलावा प्रियंका हॉलीवुड फिल्म मैट्रिक्स 4 में भी नजर आएंगी जिसकी शूटिंग हाल ही में उन्होंने खत्म की है।

प्रीति जिंटा ने मनाया अब तक का सबसे लंबा करवा चौथ, पति के साथ फोटो शेयर कर लिखा यह खास मैसेज

भारत में शादीशुदा महिलाओं के लिए करवा चौथ का त्योहार बहुत मायने रखता है। इसी का बेहतरीन उदाहरण दिखाया है बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने। प्रीति ने दुबई से लॉस एंजेलेस तक की लंबी जर्नी के बाद पति जेन गुडइनफ के साथ करवा चौथ सेलिब्रेट किया। प्रीति ने इस दौरान की फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। लाल रंग की ड्रेस में हैवी ज्वेलरी के साथ प्रीति, जेन के साथ खूब दिख रही हैं। प्रीति ने फोटो शेयर कर लिखा, 'उन सभी को शुभकामनाएं जिन्होंने करवाचौथ मनाया। मेरे लिए ये सबसे लंबा था। शुरु किया दुबई में, बादलों के बीच से होते हुए एल.ए में लैंड किया। ये सब कुछ बनता था क्योंकि

अंत में मुझे अपने पति परमेश्वर देखने को मिल गए। मैं आपको बहुत प्यार करती हूं मेरे प्यार।#हैप्पीकरवाचौथ #तिपरमेश्वर#टिंग।"

इस पर प्रियंका चोपड़ा ने एक दिल वाली आंखों वाला इमोजी बनाया। प्रीति के फैन्स ने भी उन्हें खूब सराहा। एक फैन ने "लिखा लव यू यू लुक परफेक्ट।" एक अन्य फैन ने लिखा "यू लुक क्यूटेस्ट।"

आपको बता दें प्रीति जिंटा किंग्स इलेवन पंजाब की को-ओनर हैं। इस समय आईपीएल के मैच चल रहे हैं जिनकी वजह से प्रीति दुबई मे थीं। हालांकि उनकी टीम प्ले ऑफ तक नहीं पहुंची है। इसके बाद प्रीति, करवा चौथ को पति के साथ सेलिब्रेट करने के लिए दुबई से लॉस एंजेलेस पहुंचीं। प्रीति ने अभिनय की शुरुआत 1998 में आई दिल से फिल्म से की थी। उसके बाद से कई सफल फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का कमाल दिखाया था। आखिरी बार प्रीति 2018 में भईया जी सुपरहिट फिल्म में दिखी थीं।

रणबीर संग इस गुजराती फिल्म के रीमेक में काम करना चाहते थे ऋषि कपूर!

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर को उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए जाना जाता है। आज भले ही वह इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने फैन्स के दिलों में वह आज भी जीवित है। बताया जा रहा है कि वह बेटे रणबीर कपूर के साथ गुजराती फिल्म चाल जीवी लाइए के हिंदी रीमेक में काम करने वाले थे। सोर्स ने बताया कि ऋषि कपूर ने यह फिल्म देखी थी और उन्हें बहुत पसंद आई थी। इसलिए जब उन्हें फिल्म के रीमेक के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने दिलचस्पी दिखाई थी। यह भी बताया गया कि ऋषि ने रणबीर को भी फिल्म में बेटे की भूमिका निभाने के लिए मना लिया था। हालांकि, इस फिल्म को करने से पहले ही वह इस दुनिया को छोड़कर चले गए। कोकोनट मोशन पिक्चर्स के सीईओ रितेश लालन ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, 'हां हम, ऋषि कपूर और रणबीर कपूर को इस फिल्म के हिंदी रीमेक में कास्ट करने के लिए प्लान बना रहे थे। हमने मार्च में लॉकडाउन से ठीक पहले ऋषि के मैनेजर से बात करने की शुरुआत की थी, लेकिन महामारी के कारण सब खराब हो गया। इसके बाद ऋषि कपूर गुजर गए। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस फिल्म को लेकर रणबीर से अभी तक कोई बात नहीं है।

विधान परिषद की मनोनीत सीट के लिए राज्यपाल को सौंपे गए 12 सदस्यों के नाम

मुंबई। आखिरकार राज्य सरकार ने विधान परिषद की राज्यपाल कोटे वाली 12 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सौंप दिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हस्ताक्षर वाले पत्र को बंद लिफाफे में परिवहन मंत्री व शिवसेना नेता अनिल परब, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व राकांपा नेता नवाब मलिक व मेडिकल शिक्षामंत्री व कांग्रेस नेता अमित देशमुख ने शुक्रवार को राजभवन जाकर राज्यपाल को सौपा। फिलहाल इन 12 सदस्यों के नामों का खुलासा नहीं किया गया। राज्यपाल इस पर क्या फैसला लेते हैं, इस पर सबकी नजरें लगी हुई हैं। परब ने बताया कि सभी कानूनी पहलुओं को ध्यान में रख कर सूची तैयार की गई है। इसके लिए राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर वाला पत्र हमने बंद लिफाफे में राज्यपाल को सौपा है। उन्होंने कहा कि हमने राज्यपाल से विनती की हैं कि वे इसे मंजूरी दें। हमें विश्वास है कि राज्यपाल जल्द ही इसे मंजूरी देंगे। संविधान के अनुसार राज्यपाल साहित्य, कला, समाजसेवा व सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 12 लोगों को विधान परिषद के लिए मनोनित कर सकते हैं।

संभावित नाम

कांग्रेस : सचिन सावंत – सहकार व समाजसेवा. रजनी पाटील – सहकारिता व समाजसेवा, मुजफ्फर हुसैन – समाजसेवा, अनिरुद्ध वनकर – कला।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी: एकनाथ खडसे- सहकारिता, समाजसेवा, राजू शेट्टी – सहकारिता व समाजसेवा, यशपाल भिंगे – साहित्य, आनंद शिंदे–कला।

शिवसेना : उर्मिला मातोंडकर –कला, नितीन बानगुडे पाटील- कला, विजय करंजकर- समाजसेवा, चंद्रकांत रघुवंशी–सहकारिता।

अभी जेल में ही रहेंगे अर्नब, हाई कोर्ट ने नहीं दी जमानत

मुंबई, रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी को शुक्रवार को कोई तत्काल राहत नहीं मिली क्योंकि बम्बई उच्च न्यायालय में उनकी अंतरिम जमानत अर्जी पर सुनवाई अधूरी रही। गोस्वामी को आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के 2018 के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की एक खंडपीठ ने कहा कि वह समय की कमी के चलते सुनवायी शनिवार को जारी रखेगी। अदालत ने कहा, 'हम इस मामले की सुनवायी के लिए विशेष तौर पर कल दोपहर में बैठेंगे।' गोस्वामी को बुधवार को मुंबई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था और अलीबाग ले जाया गया था जहां उनके खिलाफ उनकी कंपनी द्वारा बकाये का कथित रूप से भुगतान नहीं करने को लेकर इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उनकी मां को आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया था। अलीबाग जेल के कोविड-19 केन्द्र में बंद हैं अर्नब पत्रकार गोस्वामी को 18 नवम्बर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गोस्वामी वर्तमान में अलीबाग में एक स्कूल में बंद हैं जिसे अलीबाग जेल के लिए एक कोविड-19 केंद्र बनाया गया है। इससे पहले रायगढ़ पुलिस की एक टीम ने अर्णब को बुधवार सुबह मुंबई में उनके घर से हिरासत में लिया था। पुलिस वैन में बैठाए जाने के बाद अर्णब ने दावा किया कि पुलिस ने उनके साथ हाथापाई भी की है।

कोविड-19 का मरीज अस्पताल से भागा, प्राथमिकी दर्ज

मुंबई, मुंबई में मादक पदार्थों से जुड़े मामले में गिरफ्तार एक कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति शहर के एक अस्पताल से भाग गया। संक्रमण की पुष्टि होने की बाद उसे वहां भर्ती कराया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आजाद मैदान पुलिस ने बृहस्पतिवार को दक्षिण मुंबई के अस्पताल से भाग जाने के बाद उक्त मरीज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अधिकारी के मुताबिक उस व्यक्ति को भायखला पुलिस ने पिछले महीने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक पदार्थ अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा, कि 25 वर्षीय उस व्यक्ति को कुछ दिन पहले कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद राज्य द्वारा संचालित गोकुलदास तेजपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि मरीज के फरार होने के बाद अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने कहा, उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 224 सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बिजली के झटके से मृत्यू होने वाली लडके के परिवार को राज्य सरकार की मदत

मीरा भाईदर के पाली गाव मे २१ ऑक्टोबर को बिजली के झटके से एक पंधरा साल के लडके की मौत हुई थी जीस वजहसे उसका पूरा परिवार दुखी खाई मे गिर गया था और उन्हे सहाय्यता कि जरुत थीतभी महाराष्ट्र शासन ने उनकी सहाय्यता केलीये हाता आगे बढायाराज्य सरकार के नियमानुसार बिजली के झटके से अपंगत्व आने वाले व्यक्ति को २ लाख रुपये की मदत की जाती है उसी तरह बिजली के झटके से मृत होनेवाले व्यक्ति परिवार को ४ लाख रुपये की मदत की जाती है बिजली के झटके से मृत लडका सुप्रीनो भंडारी के परिवार को राज्य सरकार महसूल मदत पुनर्वसन विभाग की तरफ से चार लाख की मदत दी गई

उच्च न्यायालय ने टीवी टुडे नेटवर्क पर जुर्माना लगाने के बार्क के आदेश को रद्द किया

मुंबई, बंबई उच्च न्यायालय ने टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड पर पांच लाख रुपये जुर्माना लगाने के 'ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल' (बार्क) के आदेश को रद्द कर दिया है। इंडिया टुडे की मिल्कियत रखने वाले टीवी टुडे पर यह जुर्माना दर्शकों की संख्या में कथित कदाचार के लिए लगाया था। न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एक खंडपीठ ने पांच नवंबर को बार्क की अनुशासनात्मक परिषद की ओर से 31 जुलाई 2020 को पारित आदेश को रद्द कर दिया। इससे पहले बार्क के वकील ने अदालत को सूचित किया था कि बार्क नेटवर्क कंपनी को फिर से सुनने के लिए तैयार है। याचिकाकर्ता के वकील वीरेंद्र तुलजापुरकर ने दलील दी कि जब आदेश जारी किया गया था, तब बार्क की अनुशासनात्मक परिषद में पर्याप्त संख्या में लोग मौजूद नहीं थे। बार्क की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल जैन ने अदालत को बताया कि दर्शक संख्या में कदाचार के निवारण के लिए अब नई आचार संहिता है और बार्क की अनुशासनात्मक परिषद याचिकाकर्ता को फिर से सुनने को तैयार है।

सस्ते घर बनाकर देने के नाम पर ठगे 20 लाख, क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

नवी मुंबई, लोगों को सस्ते दामों पर घर और बंगले बना कर देने का लालच देने वाले ठगको नवी मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अब तक 25 लोगों से झूठ बोलकर लाखों रुपए की ठगी कर चुका है। आरोपी लोगों के तकरीबन बीस लाख रुपये लेकर फरार हो गया था। क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई पनवेल से लेकर नवी मुंबई महानगर पालिका (NMMC) परिसर में लोगों को सस्ते दामों पर घर बनाकर देने का दावा करने वाला ठग अब नवी मुंबई क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में है। इस ठग ने झूठ बोलकर अलग-अलग इलाकों से 25 लोगों को ठगा है। इस ठगी से आरोपी ने तकरीबन 19 लाख 63 हज़ार रुपये की रकम जमा की और फरार हो गया था। बुकिंग के नाम पर लिए पैसे अश्विनी आर कंस्ट्रक्शन के मालिक रोहन रमेश आर्टे ने नेरे इलाके में लोगों को सस्ते दाम पर बंगला बनाकर देने का वादा किया था। जिसके लिए उसने लोगों से बुकिंग राशि के नाम पर 25 लोगों से 19 लाख 63 हज़ार रुपये लिए थे। पैसे लेने के बाद भी आरोपी ने प्रोजेक्ट को पूरा नहीं किया। अब तक लोगों को समझ मे आ चुका था कि

उनके साथ फ्रॉड किया गया है। हारकर पीड़ित लोगों ने पनवेल पुलिस स्टेशन में गुहार लगाई। क्राइम ब्रांच की समानांतर जांच शुरू थी मामला दर्ज होने के बाद क्राइम ब्रांच भी इस मामले की समानांतर जांच कर रही थी। पुलिस कमिश्नर विपिन कुमार सिंह की निगरानी में यह जांच शुरू थी। जिसके बाद क्राइम ब्रांच को रोहन रमेश को पकड़ने में कामयाबी मिली।

हीरा मातुश्री चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महिला विशेष कार्यक्रम सम्पन

मुम्बई : महिला शसक्तीकरण के लिए अनेक योजना कार्यरत है। मुम्बई स्थित हीरा मातुश्री चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्लम विस्तार मे रहने वाली महिला एवं युवतीओके लिए सेनेटरी पेड बैंक योजना शुरू की गई है जिसका प्रथम कार्यक्रम कस्तूरबा पोलिस स्टेशन के सहयोग से बोरीवली मागाथाने में सम्पन हुवा जिसमे तकरीबन 150 महिलाओ को 3 महीने के सेनेटरी पेड निःशुल्क वितरण किये गए। कस्तूरबा पोलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नामदेव शिंदे ने महिला और स्कूल कॉलेज जाने वाली बेटियोको स्वयं की सुरक्षा और किस प्रकार पोलिस की मदद लेनी और देनी चाहिए इस विषय मे विस्तारपूर्वक समजाया। पीएसआई दीपाली खरात ने असामाजिक तत्वों की जानकारी पुलिस विभाग को करे किसी भी तरह का डर ना रखे घर से बाहर निकलते समय सावधानी रखे और किसी भी आपातकालीन परिस्थितियों में पोलिस कंट्रोल रूम पर फोन कर मदद कैसे ले उस की जानकारी दी यह कार्यक्रम हीरा मातुश्री चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी श्वेता धानक, स्थानिक प्रवीण देरकर, भरत घाणेकर, अमर महेता के मार्गदर्शन में समाज सेविका शोभा दोन्द के अमूल्य सहयोग से ट्रस्ट के प्रतिनिधि भरत के. सतिकुमार एवं धारीनी आशर द्वारा सफल बनाया गया

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर बिहार के लिए चलेंगी मध्य रेलवे की अतिरिक्त ट्रेनें

मुंबई, मध्य रेल ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मुंबई-सहरसा/समस्तीपुर के बीच वन-वे (एक तरफा) विशेष गाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है।

जानिए कौन सी ट्रेनें चलेंगी-

सहरसा एक तरफा विशेष गाड़ी: ट्रेन क्रमांक 02151 विशेष लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 9 नवंबर को 10 बजे रवाना होगी और अगले दिन 20.15 बजे सहरसा पहुंचेगी। ये ट्रेन कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज छिओकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, पटना और खगरिया रुकेगी। इसी तरह सहरसा के लिए एक और ट्रेन 02153 विशेष छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 9 नवंबर को 14 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 00.45 बजे सहरसा पहुंचेगी। ये ट्रेन दादर, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज छिओकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, पटना और खगरिया रुकेगी। समस्तीपुर एक तरफा विशेष गाड़ी: ट्रेन क्रमांक 02157 विशेष लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 9 नवंबर को 20.35 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 5.00 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। ये ट्रेन कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज छिओकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर रुकेगी। कहां होगी बुकिंग: इन सभी आरक्षित विशेष ट्रेनों के लिए बुकिंग विशेष शुल्क पर 7 नवंबर को सभी कम्प्यूटरीकृत केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर आरंभ होगी।

पीएनबी में नौकरी के नाम पर 2.35 लाख रुपये की ठगी

लखनऊ, लखनऊ में बैंक में क्लर्क की नौकरी दिलवाने के नाम पर जालसाजों ने एक युवक से 2.35 लाख रुपये की ठगी की। इतना ही नहीं जालसाजों ने युवक को फर्जी नियुक्ति पत्र भी थमा दिया। पीड़ित जब नियुक्ति पत्र लेकर बैंक पहुंचा तब जाकर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पीड़ित ने इस संबंध में मड़ियांव कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मड़ियांव के फैजुल्लागंज इलाके में रहने वाले अशोक कुमार के मुताबिक, उसकी जान-पहचान देवरिया जनपद निवासी राज कुमार यादव और राजेश प्रसाद से थी। कुछ

दिन पहले दोनों ने अशोक को बताया कि पंजाब नैशनल बैंक में क्लर्क की नौकरी निकली है। वह लोग उनके बेटे नीलेश को नौकरी दिलवा देंगे। दोनों ने अशोक से 8 लाख रुपये की मांग की, जिसके लिए वह राजी हो गए। अशोक ने 1.20 लाख रुपये बताए गए खाते में और 1.15 लाख रुपये राजकुमार यादव को नकद दिए। रुपये लेने के बाद आरोपियों ने अशोक के घर नीलेश का जॉइनिंग लेटर पहुंचा दिया। नीलेश जब पीएनबी पहुंचा तो पता चला कि नियुक्ति पत्र फर्जी है। नीलेश ने पिता को बताया तो उन्होंने दोनों आरोपियों से रुपये की मांग की। इस पर उन्होंने रुपये वापस करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर मड़ियांव पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

'फोर्स वन' के वीर हमारी रक्षा करते हैं हम उनके जीवन की देखभाल करेंगे! – मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

'फोर्स वन' एक विशेष उद्देश्य के लिए स्थापित किया गया है। वे किसी भी स्थिति में सुरक्षा के लिए तैयार हैं। अपने सैनिक स्वेच्छा से 'फोर्स वन' में भाग लेते हैं। उनकी दृढ़ता और कड़ी मेहनत सराहनीय है। हमने देखा है कि ये जवान बहादुर हैं। वे हमारी रक्षा करते हैं, तो उनके जीवन की रक्षा और देखभाल करना हमारा कर्तव्य है! ऐसा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा। कल मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें 'फोर्स वन' के प्रोत्साहन भत्ता देने के संबंध में निर्णय लिया गया। विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए स्थापित 'फोर्स वन' पुलिस के बहादुर सैनिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग की अवधि के दौरान एक ही दर पर प्रोत्साहन भत्ता देने का निर्णय कल मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लिया गया। इस बैठक में गृहमंत्री अनिल देशमुख, परिवहन मंत्री एड. अनिल परब उपस्थित थे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / patelldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।